MPHIN/2021/83938

# दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 44 | ग्वालियर, सोमवार 28अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए


## गोरखपुर में बनेगा विश्वस्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर- मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। रोइंग प्रतियोगिता का समापनरू 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में बालक और बालिका वर्ग में प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल चैंपियन बनने की ट्रॉफी महाराष्ट्र ने जीती। बालक वर्ग की चैंपियनशिप महाराष्ट्र की टीम ने तथा बालिका वर्ग की चैंपियनशिप पंजाब की टीम ने जीती। इन टीमों को ट्रॉफी देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ऐलान से गोरखपुर में रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनाने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की सभी बड़ी झीलों में वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। शनिवार को रामगढ़ताल में आयोजित 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। जरूरत है प्रतिभाओं को तराशने की। हमारे रोइंग खिलाड़ी ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग कर मेडल जीत सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में कई प्राकृतिक झीलें हैं, वहां भी रोइंग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। सीएम योगी ने एशियन गेम्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अन्य रोइंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों लक्ष्मण अवार्डी और देवरिया के युवा कल्याण अधिकारी पुनीत बालियान, लक्ष्मण अवॉर्डी कुदरत अली, बुलंदशहर निवासी अरविंद सिंह, सुल्तानपुर निवासी मोहम्मद आजाद, हापुड़ निवासी लोकेश कुमार और संतकबीरनगर निवासी राजेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि रोइंग के इन खिलाड़ियों ने प्रदेश का मान देश और दुनिया में बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ अब शानदार करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाकर ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में सीधी नौकरी देने का शासनादेश जारी कर रखा है।

टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी की नौकरी दी गई है। इस बार के ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी नौकरी देने की घोषणा की आज चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं से जोड़ा जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार खेलों को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया, सांसद खेल स्पर्धा, फिट इंडिया मूवमेंट आदि से देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत युद्ध स्तर पर प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये देने की व्यवस्था तय की गई है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3, 2 व 1 करोड़ रुपये है।

ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।

## राष्ट्रपति को अपने बीच पाकर गौरावान्वित हुये आदिवासी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में आयोजित सरगुजा प्रखण्ड के लोकार्पण और महतारी वंदन की 9 वीं किस्त की राशि के अंतरण के अवसर पर छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के लोग अपनी जीवन- पद्धति, खान- पान, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोकवाद्यों कलाओं रीति-रिवाजों, तीज-त्यौहारों, अस्थाओं और अन्य आदिम परंपराओं को सहेज कर रखा है। नर्तक दलों ने अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज का कल्याण करने सरकार प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने बीच पाकर हमारे छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपनी पहचान नृत्य के माध्यम में प्रस्तुत की।

जिला सरगुजा, विकासखण्ड मैनपाट के ग्रमा डांगबुड़ा के नर्तक दल ने सरगुजा संभाग के आदिवासियों के प्रसिद्ध लोकनृत्य करमा का पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में धोती, कुर्ता, पगड़ी, मयूरपंख सहित और महिलाएं साड़ी- ब्लाउज के साथ पैर में घुंघरू पहनकर मांदर और झांझ बजाते हुए नृत्य का प्रदर्शन किए। करमा नृत्य लगभग हर खुशी के अवसर पर किया जाता है।

## सामूहिक बलात्कार के मामले में आठ लोग गिरफ्तार

रीवा। मध्य प्रदेश से बलात्कार की दो चौंकाने वाली घटनाएं सामने आई हैं, जिससे भारत में यौन हिंसा के बढ़ते प्रचलन पर लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। रीवा में, 21 अक्टूबर को एक मंदिर के पास पिकनिक मना रहे एक जोड़े पर बेरहमी से हमला किया गया। पति को एक पेड़ से बांध दिया गया, जबकि उसकी पत्नी के साथ भयानक सामूहिक बलात्कार किया गया। हमलावरोंने हमले को रिकॉर्ड किया और धमकी दी कि अगर जोड़े ने पुलिस को अपराध की रिपोर्ट करने की हिम्मत की तो वे वीडियो को ऑनलाइन जारी कर देंगे। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में अपने पति के साथ सैर पर गई एक महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के मामले में पुलिस ने शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

### शिवराज ने पराली जलाने के मुद्दे पर की उच्च स्तरीय बैठक

## क्या प्रदूषण पर लगेगा लगाम?

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पराली जलाने के मुद्दे पर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद शिवराज ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण के मुद्दे और उसका समाधान खोजने के लिए आज एक अहम बैठक हुई। उन्होंने कहा कि पिछले साल से इस साल तक पंजाब में पराली जलाने में 35: और हरियाणा में 21: की कमी आई है। राज्यों ने कहा है कि वे लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्य सरकारों के मंत्रियों के साथ एक संयुक्त बैठक हुई। आज की बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैंने आज की बैठक से पहले 2-3 महत्वपूर्ण बिंदु रखे हैं। पहला, आने वाले दिनों में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने की जरूरत है और दूसरा दिवाली पर जलाए जाने वाले पटाखे।

राय ने कहा कि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार के साथ-साथ एनसीआर की



सभी सरकारों को इस संबंध में ठोस कदम उठाने चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में अनुकूल हवाओं के कारण शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ, हालांकि तब भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 227 दर्ज किया गया जबकि शुक्रवार सुबह यह 281 था। शुक्रवार को शाम चार बजे तक 24 घंटे का औसत एक्यूआई 270 दर्ज किया गया। राजधानी में यह लगातार दूसरा दिन है जब एक्यूआई में सुधार हुआ है जबकि पिछले चार दिनों तक एक्यूआई 'बेहद खराब' रहा था।

## प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के लिए लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लोगों को "वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों" शीर्षक से एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के साथ अपने गहरे जुड़ाव और एक जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। अपने भावपूर्ण पत्र में प्रियंका ने अपने भाई राहुल गांधी के साथ चूरामाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से अपने अवलोकन साझा किए और त्रासदी के सामने समुदाय द्वारा प्रदर्शित शक्ति और एकता के बारे में बात की। अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन से हुई तबाही और लोगों को हुए भारी नुकसान पर विचार किया। उन्होंने आपदा के बाद एकजुट होने के लिए निवासियोंकी सराहना की, उनकी एकजुटता, करुणा और लचीलेपन को नोट किया। उन्होंने डॉक्टरों, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों द्वारा एक-दूसरे की मदद करने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए लिखा कि त्रासदी के अंधेरे के बीच, एक समुदाय के रूप में आपकी असीम हिम्मत और धैर्य ने मुझे प्रभावित किया। वायनाड के साथ अपने भाई के करीबी रिश्ते का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब राहुल गांधी ने उनसे इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कहा तो उन्हें गर्व और दुख महसूस हुआ। उन्होंने वायनाड के लोगों को भरोसा दिलाया कि वह अपने भाई के साथ स्थापित रिश्ते को और मजबूत बनाने के लिए समर्पित हैं और संसद में उनकी जरूरतों और चिंताओं का



प्रतिनिधित्व करना जारी रखने की कसम खाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह खेती और आदिवासी समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के साथ-साथ महिलाओं के लिए अवसरों को प्राथमिकता देंगी, और "आपके भविष्य को मजबूत करने के लिए नए अवसर पैदा करने" के लिए गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

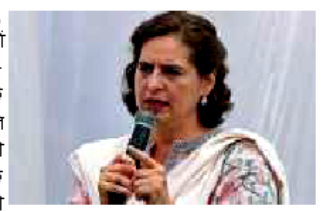

## यमुना नदी में जहरीला झाग दिख रहा, चिंताजनक स्तर पर प्रदूषण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। यहां लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। हवा में फैले प्रदूषण के साथ ही



यमुना नदी में भी प्रदूषण बढ़ रहा है। शनिवार को एक बार फिर कालिंदी कुंज में यमुना नदी में गाढ़ा, जहरीला झाग तैरता देखा गया। दिल्ली में यमुना नदी में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च स्तर पर बना हुआ है। वहीं वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के अनुसार, शनिवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता में एक दिन पहले की तुलना में थोड़ा सुधार दर्ज किया गया और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 237 रहा जो अभी भी खराब श्रेणी में है। शुक्रवार को एक्यूआई 283 दर्ज किया गया। इससे पहले आज यमुना नदी में जल प्रदूषण के खिलाफ भाजपा के विरोध प्रदर्शन के जवाब में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन ने कहा कि नदी को प्रदूषित करने वाला औद्योगिक कचरा दिल्ली से नहीं आता है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में "कोई जल प्रदूषणकारी उद्योग नहीं हैं। जैन, जिन्हें धन शोधन के एक मामले में जमानत मिलने के बाद इसी महीने जेल से रिहा किया गया है, ने इस बात पर जोर दिया कि यमुना नदी में अपशिष्ट पड़ोसी राज्यों, विशेष रूप से हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आता है। उन्होंने कहा, यमुना में बहने वाला औद्योगिक कचरा दिल्ली से नहीं आता है, क्योंकि दिल्ली में जल प्रदूषण करने वाले कोई उद्योग नहीं हैं। यह कचरा बादशाहपुर नाले से होकर गुड़गांव की तरफ से नजफगढ़ नाले में गिरता है। सोनीपत में औद्योगिक कचरा नरेला की तरफ से यमुना में गिरता है। शाहदरा नाले में औद्योगिक कचरा उत्तर प्रदेश से आता है। उन्होंने यह भी बताया कि कालिंदी कुंज के पास यूपी जल निगम द्वारा प्रबंधित एक बैराज है, जिसके 12 गेट हैं। जैन ने कहा, "अगर ये सभी गेट खोल दिए जाएं, तो झाग जमा नहीं होगा, लेकिन वे आमतौर पर केवल 2-3 गेट ही खोलते हैं। 24 अक्टूबर को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने यमुना नदी में डुबकी लगाकर आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने नदी और शहर में बढ़ते प्रदूषण की आलोचना की। एएनआई से बात करते हुए सचदेवा ने कहा, "हमने "शाही" लोगों के लिए लाल कालीन बिछाया है। हमने दो कुर्सियों की भी व्यवस्था की है, क्योंकि इस परंपरा की शुरुआत खुद आतिशी ने की थी। उन्होंने आगे कहा, हमने लाल कालीन की व्यवस्था की है क्योंकि शीश महल में रहने वाले लोग लाल कालीन के आदी हैं। हमने दो कुर्सियों की व्यवस्था की है क्योंकि यह परंपरा आतिशी ने खुद शुरू की थी, इसलिए अगर वह आती हैं, तो उन्हें दो कुर्सियों की आवश्यकता होगी। और अगर अरविंद केजरीवाल आते हैं, तो हमें खुशी होगी। हालाँकि वह जमानत पर हैं, लेकिन वह दिल्ली के मुख्यमंत्री थे। अगर वे आते हैं तो हम कुछ और समय तक इंतजार करेंगे।

## कांग्रेस ने महाराष्ट्र के लिए 23 उम्मीदवार और घोषित किये

नयी दिल्ली 26 अक्टूबर (वार्ता) कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आज 23 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने भुसावल से डॉ राजेश तुकाराम मनवालकर, जलगांव जम्मू से डॉक्टर श्रीमती स्वाति संदीप वाकेकर, अकोट से महेश गंगाने, वर्धा से शेखर प्रमोद बाबू शेंडे, सावनर से श्रीमती अनुजा सुनील केदार, नागपुर दक्षिण से गिरीश कृष्णराव पांडव, कामठी से सुरेश यादवराव भुहेर, भंडारा (सु) से श्रीमती पूजा गणेश थावकर, अर्जुनीमोरगांव (सु) से दिलीप वामन बनसोड, आमगांव (एसटी) से राजकुमार लोटूजी पुरम, रालेगांव से प्रोफेसर वसंत चिंडुजी पूरके, यवतमाल से अनिल बालासाहेब शंकरराव मांगुलकर, अरनी एसटी से जितेंद्र शिवाजीराव मोघे, उमरखेड सु से साहेबराव दत्ताराव कांबले, जलना से कैलाश किशनराव गोरतांत्याल, औरंगाबाद पूर्व से मधुकर कृष्ण राव देशमुख, बसई से विजय गोविंद पाटील, खंडीवली पूर्व से कालू बधेलिया, चारकोप से यशवंतराव जयप्रकाश सिंह सिओम, कोलीवाड़ा से गणेश कुमार यादव, श्रीरामपुर सुरक्षित से हेमंत ओगाले, निलंगा से अभय कुमार सतीश कुमार सालुंके, सिरोल से गणपतराव अप्पाराव पाटिल को चुनाव मैदान में उतारा है।

## 2025 - 26 तक भारत के तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान- सीतारमण

वाशिंगटन। श्रीमती सीतारमण ने यहां विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में "नीति चुनौतियों पर संवाद" विषय पर ब्रेकफास्ट सत्र में भाग लिया और अपने हस्तक्षेप में भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि संरचनात्मक सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता बने हुए हैं और पिछले एक दशक में सुधारों ने विकास, उत्पादक रोजगार को बढ़ावा दिया है और वित्तपोषण और अनुपालन बाधाओं को कम करके कारोबारी माहौल में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि निरंतर गति के साथ, भारत 2025-26 तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि नीति निर्माताओं को उच्च ऋण लागत और घटती राजकोषीय समायोजन के बीच विवेकपूर्ण राजकोषीय और मौद्रिक प्रबंधन के साथ विकास लक्ष्यों को संतुलित करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विकास को बनाए रखने के लिए राजकोषीय समेकन क्रमिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुशल सामाजिक व्यय के लिए पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देना और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लाभ उठाना भारत में सफल साबित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उत्पादन-मुद्रास्फीति का व्यापार खराब हो गया है,और आर्थिक गति धीमी हो सकती है - जिसके लिए स्पिलओवर की निगरानी के लिए निरंतर डेटा-संचालित नीति समायोजन की आवश्यकता है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और अन्य साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक वस्तुओं में वैश्विक निवेश पर जोर दिया।

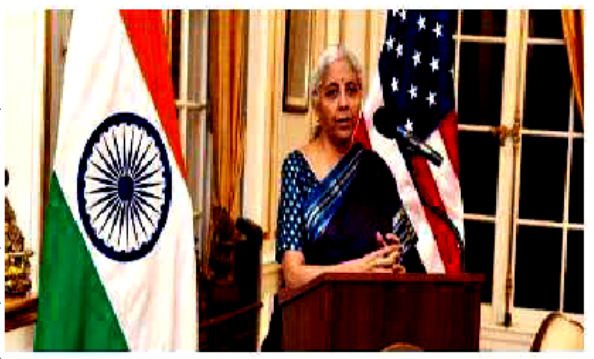



दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चाओं का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि ब्रेटन वुड्स संस्थानों को अधिक कम लागत वाली, दीर्घकालिक वित्तपोषण प्रदान करके, निजी पूंजी का लाभ उठाकर और नवीन साधनों के साथ परियोजनाओं को जोखिम मुक्त करके विकास प्रभाव को बढ़ाना चाहिए। यह स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी और जनसांख्यिकीय बदलाव जैसे उभरते रुझान चुनौतियां पेश करते हैं लेकिन साथ ही अपार अवसर भी देते हैं, वित्त मंत्री ने कहा कि आईएमएफ पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक बदलावों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि विकास और लचीलेपन के लिए आर्थिक नींव को धीरे-धीरे मजबूत करने, साहसिक संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता होगी।

आज मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री आदरणीय श्री ops भदोरिया जी भाई साहब की सक्रीय सदस्यता का फिर से नवीनीकरण किया। इस अवसर पर जिला मंत्री राजकुमार जैन सोनू भदोरिया अजय नामदेव एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे

# ललितपुर में विद्युत प्रीपेड मीटर लगाने वाली कंपनी गोवा में ब्लैकलिस्टिड है-बु. वि. सेना

## उपभोक्ताओं की जेबों पर विद्युत विभाग डाका डाल रहा है , जनप्रतिनिधि मौन : बु. वि. सेना

### पूरे देश में बिजली की सबसे अधिक दरें उ. प्र. की है -टीटू कपूर

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर । आज स्थानीय कम्पनी बाग में बु. वि. सेना की एक आवश्यक बैठक बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू की अध्यक्षता में आहूत की गई । बैठक में पूरे देश में सबसे मंहगी बिजली दरें उ. प्र. की होने और प्रीपेड मीटर लगाने वाली वीनस कंपनी के गोवा में ब्लैकलिस्टिड होने पर गहरी चिन्ता व्यक्त की गई । बु. वि. सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा कि ललितपुर शहर में विद्युत विभाग द्वारा नियुक्त प्रीपेड मीटर लगाने वाली कंपनी पहले से गोवा में ब्लैकलिस्टिड है । उक्त कंपनी ने विगत दिनों सर्वे पूरा करके ललितपुर शहर में प्रीपेड मीटर आवासों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर लगाने का काम शुरु कर दिया है । टेक्नीकली ब्लैकलिस्टिड उक्त प्रीपेड

मीटर सैकड़ों जगह पर लग चुके हैं । उन्होंने ललितपुर के जनप्रतिनिधियों जिनमें उ.प्र. के मंत्री , सांसद , विधायक आदि शामिल हैं से मांग की है कि इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की पहल करें । उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश में प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य कुछ ही जिलों में शुरु किया गया और प्रदेश के इस अति पिछड़े जिले पर यह जबरन थोपकर उपभोक्ताओं की जेबों पर डाका डालने की तैयारी की जा रही है जो कि सर्वथा अनुचित है । इस ओर जनप्रतिनिधिओं को ध्यान देना परम आवश्यक है ।बु.वि. सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा कि उक्त कंपनी द्वारा प्रस्तावित प्रीपेड मीटर मानकों के विपरीत हैं एवं उनकी मीटर रीडिंग का पहिया अत्यधिक तेज गति से घूमता है जिस कारण उपभोक्ता की जेबों पर भारी-भरकम बोझ पड़ेगा । अतः उक्त कंपनी के प्रीपेड मीटरों को तत्काल प्रभाव से रोके जाने और जांच कराये जाने की आवश्यकता है । उन्हो इसके अलावा बु. वि. सेना प्रमुख टीटू कपूर ने यह भी कहा कि सम्पूर्ण देश में उ. प्र. की बिजली दरें सबसे अधिक हैं जिस कारण उपभोक्ताओं की जेबों पर भारी बोझ पड़ रहा है ।उन्होने उ. प्र. सरकार से मांग की है कि विद्युत दरों में बदलाव करके उपभोक्ताओं की जेबों पर पड़ने वाले बोझ को कम किया जाये ।ठक में बु.वि. सेना के वरिष्ठ सदस्य कदीर खां , ओमकार राजा , फूलचंद रजक , राजकुमार कुशवाहा , बी. डी चंदेल , अमरसिंह बुन्देला , विनोद साहू , गफूर खां , नंदराम कुशवाहा ,संजय सिंह , सुरेश कुशवाहा , देवेन्द्र अहिरवार , नरेन्द्र अहिरवार , काशीराम , राजीव साहू , प्रमोद खुशाल बरार , रोहित कुमार जगदीश , पर्वत ,भैय्यन कुशवाहा , रवि रैकवार , राजाराम अहिरवार , हनुमत पहलवान , रामस्वरूप , जगदीश झा , विनोद चन्देल साहिद अली , भैय्यन कुशवाहा , खुशाल बरार , प्रदीप साहू , राकेश झा , कामता भट्ट , आदि मौजूद रहे ।

**जय जय बुन्देलखण्ड**
**हरीश कपूर टीटू**
**केन्द्रीय प्रमुख**
**बु. वि. सेना ललितपर**

# गुड्डू राजा बुंदेला पुनः मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त किया

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर - जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश रजक एडवोकेट की अध्यक्षता में बैठक की गई जिसमें ललितपुर जिले के जाने माने संभ्रांत बुंदेला बन्धु परिवार से ताल्लुक रखने वाले पूर्व सांसद सुजान सिंह बुंदेला के बड़े सुपुत्र बुंदेलखंड के लोकप्रिय नेता सागर लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे चंद्रभूषण सिंह बुंदेला उर्फ गुड्डू राजा को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पुनः प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर हर्ष व्यक्ति किया गया इस दौरान कांग्रेसियों ने बताया कि बुंदेलखंड की राजनीति में अपना ऊंचा कद रखने वाले और बुंदेलखंड में लगातार 35 सालों तक कांग्रेस का परचम फहराने वाले परिवार से आने वाले गुड्डू राजा बुंदेला जी को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय जीतू पटवारी ने प्रदेश महासचिव बनाकर पुनः विश्वास जताया हम सभी कांग्रेस जन राष्ट्रीय नेतृत्व एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं । जिलाध्यक्ष ने बताया कि इनके नेतृत्व में एम पी, यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में कांग्रेस मजबूती के साथ उभरेगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश रजक एडवोकेट मोहन सिंह चंदेल, जाहर सिंह पटेल, अजय प्रताप तोमर,रामसिंह यादव,शशीकांत दिक्षित, पंकज हुंडैत , असलम खान, नगर अध्यक्ष रफीक अली, चेतराम निरंकारी एड,बंटी,नीरज पाराशर चपटी महाराज, पवन विश्वकर्मा, सलीम खान, ऋषभ रजक,विक्रम सिंह राजपूत, रीतेश जैन,राम भरोसे कुशवाहा ,गजेंद्र सिंह परमार, प्रेम भैया नामदेव, सुशील श्रीवास, दीवान पुष्पेंद्र सिंह लोधी जितेंद्र वर्मा पनारी , राहुल सैन,सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

# नवनिर्मित मेडीकल कालेज में आरोग्य भारती ललितपुर के तत्वाधान में धन्वन्तरी अमन्त्री का उत्सव हो हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

जिसमें विद्यालय के लगभग 100 धन-धात्राको चिकित्सा शिक्षकों शिक्षणोचर काम कर्वाण ने भगा लिया।कार्यका की अध्यक्षता कर रहे हुए राजकीय चिकित्सालय के प्राचार्य डॉ0 श्री हिजनुड़नामदने सभा को सम्बोधित करते हुए धात्र-छात्राएं की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आरोग्य भारती के माध्यम से स्व प्रेरणा से सेवा भाव से समाज सेना करने की

प्रेरणा री तथा अशिन्य भारती जैसे स्वयं सेवी संगठन को राष्ट्र के लिए आवश्यक बताया।कामीडम की मुख्य वक्ता के रूप में प्रातीय सदस्य अरविन्द पाण्डेय की ने समप्रशहद, विकास एवं शब्द के समाप्त नागरिकों के स्वस्थ रहने की कामना की। कार्यकम के समापन में मुख्य अणिति श्री महेश समन्द रिधारियाजी ने। ÷सबै भवन्तु सुख्रिा सबै सन्तु निरामयः÷ की मन्त्र दिया कार्यक्रम में आचार्य के रूप में अतिय भारती सचिव भगवान दास रावत जीने यस सम्पन्न कराकर सबकी भंगल कामना की याचना की तथा श्री अजप रावत जी ने धन्यबाद ज्ञापित किया तथा संगगत्मक बैठक का सर्व सम्मति से श्री अजय शक्त जी को उपाध्यक्ष एन अयि भारती की कोषाध्यक्ष श्री अ. विषय विदर्भात जी के घोषित किया गया।

# युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय माय भारत कार्यक्रम अंतर्गत "Diwali with my Bharat" विषय पर कार्यशाला हुई आयोजित। शासकीय महाविद्यालय रजौथा पोरसा में एनएसएस के द्वारा रखा गया कार्यक्रम।

पोरसा। दिनांक 27.10.2024 को शासकीय महाविद्यालय रजौधा पोरसा में डॉ. भानु प्रताप सिंह तोमर (रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी) द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया।चिकित्सक डॉ. बी.पी. सिंह द्वारा विद्यर्थियों को आपातकालीन सेवा तथा प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी प्रदान की गई। वहीं रामकुमार गौतम प्रभारी नगरा थाना द्वारा ELP पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में सभी छात्र छात्राओं ने बढ़कर चढ़कर निम्न विषयों पर चर्चा कर,विद्यार्थियों ने सहभागिता सुनिश्चित की

# आई माताजी का धर्म रथ का निपल गांव में हुआ आगमन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली- गोडवाड़ री धन्य धरा जिला मुख्यालय पाली तहसील रानी गांव निपल श्री आई माता जी का मंदिर ( बडेर) गांव निपल श्री आई माताजी का धर्म रथ भैल धर्म प्रचार भ्रमण पर पधारे गांव के कोटवाल जमादारी समस्त पंचो री सहमती से भव्य स्वागत किया। विक्रम संवत् 2081 मिती कार्तिक बदी दसम कृष्ण पक्ष शनिवार दिनांक 26 अक्टूबर को आईमाताजी धर्म रथ का तीलक कर गाजे बाजे के साथ भव्य बधावणा किया गया। जेठाराम सोलंकी ने बताया कि निम्पल गांव के सीरवी समाज के अनमोल रत्न डॉ प्रकाश सीरवी भारतीय विदेश सेवा के सबसे बड़े अधिकारी पद पर देश मिश्र की राजस्थानी इज्जिप्ट दूतावास में कार्यरत है। सोलंकी ने बताया कि डॉ प्रकाश सीरवी समाज का नाम विदेशो में भी रोशन कर रहे हैं। आई माताजी वैल रथ के साथ आए जति बाबा मंडली पुना महाराज, खेता महाराज, रतनलाल राठौड, राजेन्द्र पंवार, बाबूलाल परिहार, शंकर हाम्बड,जेठाराम सोलंकी का कोटवाल दलाराम सेफ्टा, जमादारी और मुख्य पुजारी लछाराम काग ने स्वागत किया। जेठाराम सोलंकी ने आईपंथ धर्म के बारे में विस्तार से बताया।

रिया चक्रवर्ती

# भारत के सभी राज्यों में गौध्वज प्रतिष्ठित करके 3 नवम्बर को काशी पधारेंगे शङ्कराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

स्वागत अभिनन्दन सहित अन्य तैयारियों हेतु आहूत की गई बैठक36 दिन में 36 राज्यों में गौध्वज प्रतिष्ठित कर एवं महाराष्ट्र में गौमाता को राज्य माता घोषित करवाकर परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्री-अविमुक्तेश्वरानन्द- सरस्वती जी महाराज 3 नवम्बर को काशी पधार रहे हैं। -शङ्कराचार्य जी के आगमन पर भव्य स्वागत, वन्दन एवं अभिनन्दन हेतु तैयारी के लिए उत्साहित भक्तों ने आज पूर्वाह्न 10 बजे शङ्कराचार्य घाट स्थित श्रीविद्यामठ में बैठक किया। शङ्कराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय जी ने बताया कि भदोही स्थित माता अजोराधाम मन्दिर में जगदुरुकुलम् की एक नयी शाखा का उद्घाटन करते हुए शङ्कराचार्य जी महाराज 3 नवम्बर को सायं लगभग 7 बजे श्रीविद्यामठ पहुँचेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से साध्वी पूर्णाम्बा दीदी, साध्वी शारदाम्बा दीदी, ब्रह्मचारी परमात्मानन्द जी, वैद्य श्री रवि त्रिवेदी, हजारी कीर्ति नारायण शुक्ला, पं सदानन्द तिवारी, अजित मिश्रा, अजय सिंह, रामचन्द्र सिंह, काशी विदुषी परिषद की अध्यक्ष डा सावित्री पाण्डेय, दुर्गेश नन्दिनी पाण्डेय, सुनीता जायसवाल सहित अन्यान्य लोग उपस्थित रहे।

# आई माताजी का धर्म रथ का निपल गांव में हुआ आगमन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली- गोडवाड़ री धन्य धरा जिला मुख्यालय पाली तहसील रानी गांव निपल श्री आई माता जी का मंदिर ( बडेर) गांव निपल श्री आई माताजी का धर्म रथ भैल धर्म प्रचार भ्रमण पर पधारे गांव के कोटवाल जमादारी समस्त पंचो री सहमती से भव्य स्वागत किया। विक्रम संवत् 2081 मिती कार्तिक बदी दसम कृष्ण पक्ष शनिवार दिनांक 26 अक्टूबर को आईमाताजी धर्म रथ का तीलक कर गाजे बाजे के साथ भव्य बधावणा किया गया। जेठाराम सोलंकी ने बताया कि निम्पल गांव के सीरवी समाज के अनमोल रत्न डॉ प्रकाश सीरवी भारतीय विदेश सेवा के सबसे बड़े अधिकारी पद पर देश मिश्र की राजस्थानी इज्जिप्ट दूतावास में कार्यरत है। सोलंकी ने बताया कि डॉ प्रकाश सीरवी समाज का नाम विदेशो में भी रोशन कर रहे हैं। आई माताजी वैल रथ के साथ आए जति बाबा मंडली पुना महाराज, खेता महाराज, रतनलाल राठौड, राजेन्द्र पंवार, बाबूलाल परिहार, शंकर हाम्बड,जेठाराम सोलंकी का कोटवाल दलाराम सेफ्टा, जमादारी और मुख्य पुजारी लछाराम काग ने स्वागत किया। जेठाराम सोलंकी ने आईपंथ धर्म के बारे में विस्तार से बताया।

### विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने श्री खाटू श्याम भजन संध्या में पहुंचकर आरती की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अपने निर्धारित एक दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के जिला मुख्यालय भिंड पहुंचे जहां अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में इस शिरकत की उनके साथ मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला,विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह,मध्य प्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष दर्जा कैबिनेट मंत्री प्राप्त कोक सिंह नरवरिया एवं पार्टी के वरिष्ठ नेतागण शामिल थे। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अपने निर्धारित कार्यक्रम से के तहत मुरैना की सीमा पोरसा से,जिले की सीमा में प्रवेश किया जहां अटेर विधानसभा क्षेत्र के, ग्राम पंचायत परा में ग्राम पंचायत सरपंच सुरेश चकवा एवं भाजपा जिला मंत्री श्रीमती रश्मि खटीक ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्राम वासियों के साथ उनकी अगवानी करते हुए पुष्प मालाओं से स्वागत किया । विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर मुड़ियाखेड़ा गढ़ुपुरा उदित पूरा मिहोनी,मुड़िया खेड़ा रेलवे स्टेशन चंदनपुर शिव उत्सव वाटिका,अटेर रोड की पुलिया बड़े हनुमान जी मंदिर बेटी बचाओ चौराहा होते हुए अग्रसेन चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फलों से तुलादान किया जिसमें मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदोरिया टीपू, उपेंद्र सिंह भदोरिया, देवेंद्र जैन दाढ़ी, छत्रसाल सिंह चौहान,मुनेंद्र सिंह राजावत आदि कार्यकर्ताओं ने उनकी अगवानी करते हुए स्वागत किया श्री तोमर का स्वागत बताशा बाजार भूता बाजार चौराहा पुस्तक बाजार चौराहा परेड चौराहा होते अहिंसा चौक खंड रोड होते हुए बद्री प्रसाद की बगिया में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए उसके बाद श्री खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा आयोजित शासकीय एमजेएस स्टेडियम में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम मैं पहुंच कर श्री खाटू श्याम महाराज की आरती की और उन्होंने भजन संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

# आई माताजी का धर्म रथ का सार्विकग्वालियर साहित्य इतिहास के गौरव में मील के पत्थर के समान है-डॉ.सुरेश सम्राट

## मध्यभारतीय हिंन्दी साहित्य सभा के पाठक में हुई सार्वत्रिक की समीक्षा एवं चर्चा

महेंद्र शर्मा
उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा में शनिवार को मासिक पाठक मंच में सभा के उपाध्यक्ष दिनेश पाठक जी की पुस्तक÷ सार्विक÷ पर समीक्षा उद्धबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार शैवाल सत्यार्थी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ ज्योति उपाध्याय उपस्थित रहीं। समीक्षा वरिष्ठ पत्रकार डॉ.सुरेश सम्राट एवं युवा रचनाकार सुश्री व्याप्ति उमड़ेकर ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सानिध्य सभा अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव का रहा।कार्यक्रम में समीक्षक डॉ.सुरेश सम्राट ने सार्विक पर अपने विचार रखते हुये कहा-÷सार्विक ग्वालियर साहित्य इतिहास के गौरव में मील के पत्थर के रूप में अपनी भूमिका को निभाने में सफल होगी। ये पुस्तक जीवन के सभी पक्षों को लेकर आई है इसमें लेखक ने साहित्यकार और मिशनपूर्वक पत्रकारिता करने वाले व्यक्ति की लेखनी को आकार दिया है। जो लेखक पूरे देशकाल को खुली आँखों से देखता है, वही सार्विक जैसी कृति को रच सकता है। यह पुस्तक व्यापक परिप्रेक्ष्य लेकर पाठक के साथ जुड़ने का काम करती है। भाषा तथा शैली की दृष्टि से पुस्तक युवा पीढ़ी के लिये उपयोगी है।÷ युवा समीक्षक के रूप में व्याप्ति उमड़ेकर ने हरिकथा अनन्ता, बपौती नहीं थी बन्दिशों पर उनकी,बैगनी शादी में अब्दुल्ला दीवाना,दूसरा ताजमहल इत्यादि आलेखों की विषयवस्तु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा-÷सार्विक के आलेख शुद्ध स्वादी मिठाई के रूप में हैं । पुस्तक के लेख समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये उपयोगी हैं।पुस्तक की बहुरंगी छवि में ग्वालियर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक,सामाजिक,धार्मिक विशेषता को व्यक्त किया गया है।युवा पीढ़ी के लिये ये पुस्तक मार्गदर्शन का कार्य करते हुये अपने नाम सार्विक के मर्म को व्यक्त करती है।÷ अध्यक्ष की आसंदी से शैवाल सत्यार्थी जी ने अपनी बात रखते हुये कहा कि÷पुस्तकें हमारी मित्र,साथी होती हैं जो हमारा पथ प्रदर्शन करती हैं। लेखक की ये रचना लेखक की लम्बी साहित्य साधना का साक्षी पत्र है। इस उत्कृष्ट रचना के लिये लेखक को बधाई, साधुवाद।

मुख्य अतिथि डॉ.ज्योति उपाध्याय जी ने सार्विक के लेखों पर अपनी बात रखते हुये कहा कि-तानसेन समारोह,बदल रही है दुनिया जैसे आलेख हमें प्राचीन और नवीन भारत से रूबरू होने का अवसर देता है। समसामयिक लेखों से बाद की पीढ़ियों को संस्कृति और सभ्यता से परिचित होने में सहायता मिलती हैं और सार्विक भविष्य में ऐसी ही भूमिका निभाएगी।पुस्तक को लेखक ने विविध भावों के मोतियों की माला के समान रूपाकार किया है।

लेखक दिनेश पाठक जी ने पुस्तक रचना के सम्बन्ध में अपनी बात रखते हुये कहा कि-÷सार्विक मेरे 30 वर्षों के लेखन का संकलन हैं। पुस्तक में सामायिक तथा सर्वकालिक आलेखों को संकलित करने के पीछे उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये कुछ न कुछ पठनीय सामग्री अवश्य रहे।÷

कार्यक्रम का आभार सभा अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव ने एवं संचालन जाह्नवी नाईक ने किया।

कार्यक्रम में पूर्व पाठक मंच संयोजक डॉ.सुखदेव माखीजा ने साहित्य सभा को सिद्धपीठ की उपाधि से अलंकृत करते हुए पुस्तक की भूरि- भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में सभा के उपाध्यक्ष दिनेश पाठक,सभा के सह- मंत्री उपेंद्र कस्तूरे,पाठक मंच के पूर्व संयोजक डॉ.सुखदेव मखीजा ,डॉ.सुधीर चतुर्वेदी , सुनीता पाठक , शुभम कुमार जैसवाल,उदयवीर खटीक,प्रथम बघेल,राकेश पाठक सहित अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

संपादकीय

# समरसता की सोच

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने दो अहम फैसलों में स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। साथ ही यह भी कि भारतीय संदर्भ में यह सोच सदा से रची–बसी रही है। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने अपने दो हालिया फैसलों के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या की है। पहले बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया। वहीं अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर अपनी सुविधा अनुसार व्याख्या नहीं की जा सकती। कोर्ट का निष्कर्ष यह भी था कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द जोड़े जाने से पहले भी यह भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण सोच रही है। अदालत का कहना था कि समानता व बंधुत्व शब्द इसकी मूल भावना को ही अभिव्यक्त करते हैं। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये कहा। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। वहीं दूसरी ओर बीते मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द करने के फैसले को भी अनुचित ठहराया। इसके बजाय कोर्ट ने ऐसे कदम उठाने की जरूरत बतायी जो मदरसों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ सकें। कोर्ट को मानना था कि ऐसे मामलों की की गई संकुचित व्याख्या से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इससे पहले संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से तल्ख सवाल भी किए थे। कोर्ट न जानना चाहा कि क्यों उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परहेज है। इस बाबत याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परेशानी नहीं है। उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक लक्ष्यों के लिये कालांतर संविधान संशोधन के जरिये इस शब्द को शामिल करने पर आपत्ति है। दरअसल, अदालत का कहना था कि भारतीय जीवन दर्शन में इस सोच का गहरे तक अंगीकार किया गया है। साथ ही कोर्ट ने मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विपरीत बताया। यह भी कि इस शब्द की संकुचित व्याख्या के चलते ही उत्तर प्रदेश के हजारों मदरसों के लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया था। अदालत का मानना था कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढालना जाना चाहिये। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। अदालत ने दो टूक कहा भी कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततरू इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा। यह भारतीय समाज में सदियों से फल–फूल रही गंगा–जमुनी संस्कृति के पोषण की भी अपरिहार्य शर्त है। साथ ही एक वाइब्रेंट लोकतांत्रिक समाज की आवश्यकता भी है। निश्चित तौर पर शीर्ष अदालत की ये टिप्पणियां जहां राजनीतिक दलों को आईना दिखाती हैं, वहीं आम लोगों को उदारवादी दृष्टिकोण के साथ सह–अस्तित्व की सोच का पोषण करने की जरूरत भी बताती हैं। जो वक्त के हिसाब से तार्किक भी है।

# बाघों के बहाने वीरान होते गांव

**राजकुमार सिन्हा**

*इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है।*

मध्यप्रदेश में आजकल राजधानी भोपाल से लगे हुए रातापानी अभ्यारण्य को 8 वां टाईगर रिजर्व बनाने की तैयारी चल रही है जिसमें 2170 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें राज्य के सीहोर और औबेदुल्लागंज के वन क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अंदर 32 गांवों के दस हजार परिवार निवासरत हैं। दूसरी ओर अलग– अलग श्टाईगर रिजर्वश के बीच कॉरीडोर बनाया जाना प्रस्तावित है जिसमें अनेक गांवों के विस्थापन की संभावना है। इस कॉरीडोर में कान्हा से पेंच टाईगर रिजर्व, पेंच से सतपुड़ा टाईगर रिजर्व और बांधवगढ़ से संजय टाईगर रिजर्व को जोड़ा जाएगा। देश के 19 राज्यों के 53 टाईगर रिजर्व से 848 गांव के 89808 परिवारों को टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों से विस्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिनमें अधिकांश आदिवासी समुदाय के लोग हैं। अभी तक 257 गांवों के 25007 परिवारों को हटाया जा चुका है। विगत 19 जून 2024 को पर्यावरण मंत्रालय के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सभी राज्यों के अधिकारियों को राज्य में घोषित किए गए टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों में मौजूद 591 गांवों और उनके 64801 परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित करने का निर्देश शामिल है और इस पर कार्य योजना तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। एनटीसीए द्वारा विस्थापन को लेकर उठाये गए ये कदम पूर्ण रूप से कानून और संरक्षण के ढांचों व भावनाओं की अवहेलना करते हैं और अनेक संबंधित कानूनों का उल्लंघन करते हैं। इनमें वन अधिकार कानून –2006, वन्यप्राणी संरक्षण कानून दृ 1972 व संशोधित 2006, श्भू–अर्जन, पुनर्वास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम –2013, पेसा कानून – 1996, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम–1989 शामिल हैं। एनटीसीए द्वारा निर्देशित यह विस्थापन वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में संरक्षण के नाम पर सबसे बड़ा विस्थापन होगा। बाघ परियोजना की शुरूआत 7 अप्रेल 1973 को हुई थी। इसके तहत शुरू में देशभर में 9 श्बाघ अभ्यारण्य बनाए गए थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई है। एनटीसीए के गठन सबंधी प्रावधानों की व्यवस्था करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम – 1972 में संशोधन किया गया। इन्हीं संशोधनों के बाद वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम–1972 तथा संशोधित 2006 की धारा 38–(4) (दबदब) के अनतर्गत प्रत्येक टाइगर रिजर्व में बफर क्षेत्र अधिसूचित किया जाना अनिवार्य किया गया है। बफर क्षेत्र क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट (संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र) या कोर क्षेत्र के चारों ओर का वह क्षेत्र है, जहां श्कोर क्षेत्रश की तुलना में कम प्रतिबंधों की आवश्यकता होती है एवं श्क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट की समग्रता के लिए आवश्यक है। श्वन अधिकार कानून 2006श की कंडिका – 4(2) में प्रावधान है कि संकटग्रस्त बाघ आवासों की स्थापना राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श के आधार पर अधिसूचना के माध्यम से की जाएगी। इन क्षेत्रोंकी स्थापना वैज्ञानिक तथ्यों और उद्देश्यों के आधार पर बाघ संरक्षण के उद्देश्य के लिए की जाती है। इन क्षेत्रों की अधिसूचना जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि जनजातियों या वन–निवासियों के अधिकारों को किसी प्रकार के प्रभाव से मुक्त रखा गया है। बफर क्षेत्र में लोगों की आजीविका, विकास, सामाजिक–सांस्कृतिक अधिकारों के साथ वन्यजीव तथा मानवीय कार्यों के सह–अस्तित्व के उद्देश्यों को बढ़ाना जरूरी है। बफर क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण वैज्ञानिक तथा उद्देश्यों के आधार पर सबंधित ग्रामसभा और इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति से परामर्श द्वारा होता है। स्थानीय समुदाय और संरक्षित क्षेत्रों (अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान) में वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति में श्संरक्षित क्षेत्रश के अन्तर्गत संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित किए जाने की पूरी प्रक्रियाओं के चरण निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है। संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित करने के पहले वन्यजीवों को होने वाली अपरिवर्तनीय क्षति और उनके अस्तित्व के लिए खतरे को स्थापित किया जाना जरूरी है। यदि क्षेत्र में सामूहिक रूप से कोई खतरा होता है तो सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजनाओं में संशोधन या फिर, यदि जरूरी हो तो योजनाओं में दिए गए अधिकारों या उसे लागू करने के तरीकों में संशोधन के माध्यम से सह–अस्तित्व का परीक्षण किया जाता है। अगर सह–अस्तित्व संभव है तो लंबे समय के लिए सह–प्रबंधन प्रणाली बनाई जाती है। अगर सह–अस्तित्व संभव नहीं है तो सबंधित हिस्सों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाता है जो मौजूदा कानूनों और नीतियों के अनुरूप हो और जिसे सबंधित ग्रामसभाओं की पूर्ण सहमति प्राप्त हो गई हो। टाइगर रिजर्व की घोषणा के पहले उपरोक्त सभी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर गांवों को स्थानांतरित करने पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, संजय–दूबरी, सतपुड़ा, पन्ना और वीरांगना दुर्गावती श्टाईगर रिजर्वश हैं जो अन्य राज्यों से अधिक है। इन 7 श्टाईगर रिजर्वश में से 165 गांवों के 18626 परिवारों को नोटिफाई किया जा चुका है और जिसमें से 109 गांवों के 9058 परिवारों को विस्थापित किया जा चुका है। अब 56 गांवों के 9568 परिवारों को विस्थापित किया जाना शेष है। विस्थापित परिवारों को जो आश्वासन दिए गए थे वे पूरे नहीं हुए हैं। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के गांव साकई, झालई, नया माना और खामदा को जमानी के पास बसाया गया है, परन्तु यहां पीने के पानी तक का संकट है। इसी वर्ष श्अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवसश पर नई दिल्ली स्थित एक मानव अधिकार समूह द्वारा भारत के बाघ अभ्यारण्य आदिवासी बाहर निकलें, पर्यटकों का स्वागतश शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रोजेक्ट टाईगर के कारण अनुसूचित जनजातियों और अन्य वन–निवासी परिवारों के कम–से–कम 5.5 लाख लोग विस्थापित होंगे। 2021 से पहले 50 श्बाघ अभ्यारण्योंश से विस्थापित लोगों की संख्या 254794 थी।

# मोदी–जिनपिंग वार्ता: ईमानदार अमल जरूरी

**फिरोज़**

रूस के कजान में चल रही ब्रिक्स की बैठक के दौरान मिले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के कई सकारात्मक बिंदु हैं, बशर्ते कि उनका ईमानदारी से पालन हो। इस वार्ता में जिन बातों को लेकर सहमति बनी है, उन पर अगर बराबरी के स्तर पर क्रियान्वयन हो तो भारत को कहीं ज्यादा फायदा होगा। पिछले 10 वर्षों में इन दो पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों की कहने को तो 20 मुलाकातें हो चुकी हैं परन्तु दोनों के बीच स्थायी शांति के माहौल के कोई चिन्ह तक दिखाई तक नहीं देते। चीन ने भारत के लद्दाख क्षेत्र में न केवल बड़े भूभाग पर अतिक्रमण किया हुआ है बल्कि व्यापारिक तौर पर देखें तो उसे भारत से ही बड़ा मुनाफा हो रहा है। परस्पर आयात–निर्यात में बड़ा अंतर है। यानी जितनी मात्रा में चीन भारत को विभिन्न तरह की वस्तुओं का निर्यात कर रहा है उसके मुकाबले भारत का उस देश को निर्यात बहुत कम है। हालांकि इसमें चीन इसलिये मददगार साबित नहीं हो सकता क्योंकि भारत की निर्माण एवं उत्पादन की क्षमता ही वैसी नहीं है जो चीन का मुकाबला कर सके। इन सबके बावजूद कूटनीतिक व रणनीतिक



तौर पर श्लाल ड्रैगनश कहे जाने वाले देश के साथ भारत के सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध समय की जरूरत है। उसकी विस्तारवादी नीति पर भारत अन्य देशों को साथ लेकर ही रोक लगा सकता है। इसके बावजूद मोदी–जिनपिंग वार्ता के महत्व से इंकार नहीं किया जा सकता। आबादी के मामले में दुनिया के सबसे बड़े दो देशों के बीच अच्छे और सहयोगात्मक रिश्ते दुनिया के लिये तो मायने रखें या न रखें भारत के लिये नितांत जरूरी हैं। इस वार्ता में विकास को साझा लक्ष्य निरूपित किया गया है। भारत के चीन से व्यवसायिक सम्बन्ध भी अच्छे होने चाहिये ताकि दोनों देश मिल–जुलकर विकास करें। वैसे इसका सीधा सम्बन्ध दोनों देशों के बीच वास्तविक रूप से शांतिपूर्ण और विवादरहित वातावरण से है। दोनों देशों की सीमाओं पर पिछले करीब 5 वर्षों से तनातनी है। अनेक क्षेत्रों पर चीन द्वारा घुसपैठ की शिकायतें हैं। खासकर गलवान क्षेत्र में तो दावा किया जाता है कि कई किलोमीटर तक चीनी सीमाएं न केवल घुस आई हैं वरन उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बलों को गश्त लगाने से भी मना कर रखा था। अपनी विश्वगुरु की छवि बनाने तथा पीएम बनने के पहले श्चीन को लाल आंखेंश दिखाने जैसे बड़बोलेपन ने मोदी को इस कदर मजबूर कर दिया था कि उन्होंने इस बात से ही इंकार कर दिया था कि चीन ने कोई घुसपैठ की है। उन्होंने संसद में यहां तक कहा कि श्न तो कोई सीमा में घुसा है न ही घुसा था। इससे चीन का साहस इस कदर बढ़ा कि उसने अनेक भारतीय क्षेत्रों में न केवल अपनी बस्तियां बसा लीं वरन हेलीपैड तक बना डाला। इतना ही नहीं, चीन भारत के सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश पर भी अपना दावा पेश करता रहा है। यह अच्छी बात है कि दोनों देश अब अपनी–अपनी सेनाओं को पीछे हटाएंगे। हालांकि यह अब भी अंधेरे में है कि आखिर चीनी सीमा कितने पीछे हटेगी जो पिछले कुछ वर्षों में काफी आगे तक बढ़ आई है और यह भी साफ हो कि भारतीय सीमा कितनी पीछे हटेगी जो पहले से पीछे हटी हुई है। इस वार्ता का एक अच्छा पहलू यह भी है कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उभय देशों को संयुक्त राजनीतिक धारणा बनानी चाहिये। उन्हें सद्भावनापूर्वक विकास के लिये सही तथा सकारात्मक मार्ग खोजने चाहिये। दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी ने भी भारत–चीन सम्बन्धों को क्षेत्रीय व वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिये महत्वपूर्ण बताया। उनका यह कहना अहम है कि परस्पर विश्वास, एक–दूसरे के लिये सम्मान एवं संवेदनशीलता सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्धों का आधार होंगे।इस एक दशक में कभी गर्म कभी नर्म सम्बन्धों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यवसायिक हितों के सम्बन्ध बने हुए हैं। इसमें एक ओर तो स्वयं मोदी की गलती है जो गुट निरपेक्षता की राह को छोड़कर पश्चिमी व बड़े देशों, खासकर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के साथ सम्बन्ध बनाने में ज्यादा रुचि लेते रहे, तो दूसरी ओर मोदी की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं उसके आईटी सेल सहित असंख्य कार्यकर्ताओं ने चीन के प्रति देश में नकारात्मक वातावरण बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिवाली पर वहां की झालरों व बल्बों, होली की पिचकारियों के बहिष्कार तथा कुछ एप्स पर प्रतिबंध जैसे बचकाने अभियान चलाये गये। इन सबसे चीन का तो विशेष कुछ नहीं बिगड़ा, उल्टे भारत से चीन को होने वाला थोड़ा बहुत निर्यात या यहां से चीन में जाकर काम करने वाले व्यवसायियों के कारोबार ठप हो गये।

चीन के भारत में बड़े निर्माण एवं ठेके बदस्तूर जारी रहे। अब इस वार्ता से उम्मीद की जा रही है कि यह व्यवसाय पटरी पर लौट आये। शी जिनपिंग ने इस बात को स्पष्ट किया कि श्दोनों देश प्रतिस्पर्धी नहीं वरन सहयोगी हैं। ये ऐसे सारे सकारात्मक बिन्दु हैं जिन पर दोनों देश यदि साथ–साथ ईमादारी से पहल करें तो दोनों ही देशों को फायदा हो सकता है। चीन चाहे भारत से आगे निकल गया हो परन्तु दोनों देशों को सीमाओं पर शांति तथा सौहार्द्र से विकास की नयी इबारत लिखी जा सकती है। भारत को एक परिपक्व कूटनीति का परिचय देते हुए तथा इतिहास को भूलकर, लेकिन बेहद सावधानी से आगे बढ़ना होगा। इसी में दोनों का हित है।

# हिंसा के मौजूदा माहौल में चिकित्सा पेशे के सामने बड़ी चुनौती

**डॉ. अरुण मित्रा**

शायद हम तब तक यह नहीं समझ पाये कि हमारे समाज में नैतिक संकट खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जब तक कि हमने कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की खबर नहीं सुनी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर मुख्य रूप से दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई, अस्पतालों में सुरक्षा और संरक्षा, सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे को अपडेट करने और इस प्रकार रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार की मांग करते हुए अपना आंदोलन जारी रखे हुए हैं। डॉक्टर कई जगहों पर भीड़ की हिंसा का निशाना बने हैं, ज्यादातर तुच्छ कारणों से। इसलिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा की माग को लेकर डॉक्टरों के बीच आक्रोश, खासकर महिला डॉक्टरों के लिए, बिल्कुल जायज है। ये ऐसे मुद्दे हैं जिनके लिए डॉक्टरों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं है, और संबंधित सरकारों का यह कर्तव्य है कि वे विभिन्न क्षेत्रों में सभी नागरिकों के लिए काम करने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा पेशेवरों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि उन्हें दिन–रात काम करना पड़ता है। वर्तमान परिस्थितियों में जब महिला डॉक्टरों की संख्या पुरुष सहकर्मियों से अधिक है, तो उनकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। कोई भी व्यक्ति किसी भी दवा की प्रतिक्रिया, शल्य चिकित्सा विफलता, चिकित्सा विफलता या अनजाने में हुई लापरवाही से पूर्ण इलाज या 100 प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता है। इसलिए जब स्वास्थ्य सुविधाओं और डॉक्टरों और पैरामेडिक्स सहित कर्मचारियों पर हमला किया जाता है और उपकरण, संपत्ति और अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाता है, जिसने सैकड़ों रोगियों को बीमारी से उबरने में मदद की है, तब यह अस्वीकार्य है। आर जी कर मेडिकल कॉलेज के मामले में, यह संगठित अनियंत्रित भीड़ थी जिसने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये और सुबूत नष्ट करने की कोशिश की। मामला अब सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच के अधीन है। आर जी मेडिकल कॉलेज कोलकाता की घटना इस बात का दुखद प्रतिबिंब है कि हम कितने अधीर, बेचैन, आक्रामक और बेपरवाह समाज बन गये हैं। अस्पताल, क्लीनिक या अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को अब तक पूजा स्थल माना जाता रहा है और समाज द्वारा उन्हें उचित सम्मान दिया जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ द्वारा हत्या और घृणा फैलाने वालों को संरक्षण देकर समाज में आक्रामकता को बढ़ावा दिया गया है। बलात्कारियों और हत्यारों को बार–बार पैरोल दिए जाने से समाज में ऐसी मानसिक स्थिति बन गयी है, जहां आक्रामकता को सामान्य माना जाता है और इसने हिंसा और संघर्षों के राजनीतिकरण के संबंध में आबादी को लगभग असंवेदनशील बना दिया है। नैतिक पतन घर से शुरू हुआ है, जहां गुणात्मक संचार बदल गया है या कम हो गया है। स्कूलों में प्रारंभिक चरणों में शिक्षा की गुणवत्ता की कमी ने इसे और बढ़ा दिया है। चिकित्सा पेशे के लिए ये गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर विचार करना चाहिए। चिकित्सा क्षेत्र में कॉर्पोरेट जगत के प्रवेश के साथ चिकित्सा पेशा गंभीर प्रतिस्पर्धी व्यवसाय मॉडल बन गया है, जिसमें पीड़ितों या उनके परिवार के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। बढ़ती असमानताओं और कॉर्पोरेट संचालित स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वहन करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप चिकित्सा पेशे की अखंडता सवालों के घेरे में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ चिकित्सा पेशेवरों ने स्वास्थ्य सेवा की कॉर्पोरेट प्रणाली को अपना लिया है और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के प्रति चिंता खो दी है। भविष्य में कई युवा डॉक्टर महामारी वैज्ञानिक या सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बनेंगे। उन्हें बीमारियों, संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए परिस्थितियों से निपटना होगा। उन्हें स्वच्छ पेयजल, सीवरेज सुविधाओं, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वस्थ पोषण तथा अन्य ऐसे मुद्दों के बारे में उच्च अधिकारियों से बात करनी होगी। उन्हें कई बीमारियों की रोकथाम के कार्यक्रम, कुछ बीमारियों के दौरान टीकाकरण, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम के लिए बरसात के मौसम में फॉगिंग करने में प्रशासन की विफलताओं पर प्रतिक्रिया देनी होगी। डॉक्टरों को प्राकृतिक आपदाओं में अपनी जान जोखिम में डालकर विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। यह जलवायु परिवर्तन और इसके शमन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में लाता है। यह सही समय है कि हम ऐसे मुद्दों पर नवोदित डॉक्टरों को प्रशिक्षित करें। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंसा में वृद्धि एक वैश्विक घटना बन रही है। दुनिया के कई हिस्सों में चरम प्रकार की हिंसा देखी जा रही है। मध्य पूर्व और यूक्रेन के युद्धों में हजारों असहाय बच्चे और महिलाएं मारी जा रही हैं और चिकित्सा के अभाव में मर रही हैं। अफ्रीका और अन्य जगहों के कई हिस्सों में संघर्षों में सैकड़ों लोग भूख, कुपोषण और बीमारियों से मर रहे हैं। विश्व गरीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार हमारे देश में 129 मिलियन लोग 180 रुपये प्रतिदिन की मामूली मजदूरी पर अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं, जो उनके पोषण और स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। इन दिनों हिंसा की रोकथाम एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। हमें सामाजिक सद्भाव और तनाव में कमी के लिए काम करना चाहिए ताकि हिंसा को रोका जा सके। डॉक्टरों के रूप में हमें दुनिया भर के शांतिप्रिय लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करनी होगी, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मजबूत आवाज उठानी होगी और फिजूलखर्ची को खत्म करना होगा।हथियारों की दौड़ और स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक आवश्यकताओं के लिए धन के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए हमें इसके विरुद्ध आवाज उठानी होगी।

# मैहर के ग्राम जहला में अतिक्रमण कार्य जोरो पड़

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मैहर। ग्राम पंचायत कंचनपुर के अंतर्गत अपना अटल ग्राम जहला में अतिक्रमण कार्य जोरों से शुरू। मानवता को तार तार करने वाला ग्राम पंचायत कंचनपुर के अंतर्गत अपना अटल ग्राम जहला में रामाधार पांडे पिता रामदेव पांडेय के द्वारा 20 वर्ष से लगातार मध्य प्रदेश शासन किया राजी में अतिक्रमण कार्य किए हुए हैं स्कूल बाउंड्री वॉल के सामने अतिक्रमण किए हुई है मध्य प्रदेश शासन की आराजी में इटा का व्यापार भी जोरों से किया है मैहर के समस्त अधिकारियों को खुलेआम चेतावनी देता हुआ नजर आ रहा है मैहर के समस्त अधिकारियों में आंख में पट्टी बंधी हुई है मानवता को तार तार किया है लगातार गुंडागर्दी में उतारू है स्कूल बाउंड्री वॉल के सामने और मकान मध्य प्रदेश शासन किया आराजी में बना लिया है प्रशासन को खुलेआम चेतावनी दे रहा है मेरा प्रशासन कुछ नहीं कर सकता मैहर के समस्त अधिकारी मेरे हिसाब से चलते हैं ग्रामीण क्षेत्र वाले मेरा कुछ नहीं कर सकते मेरी पकड़ भोपाल तक है बाउंड्री वॉल में लगातार 20 सालों से अतिक्रमण कर किए हुए हैं जिसमें मध्य प्रदेश शासन कि भूमि पर पक्का मकान और जमीन की खुदाई कर इट का व्यापार किया है प्रशासन कार्यवाही करने से कतरा रही है

# नहीं मनाएगी कांग्रेस पार्टी दीपावली का त्यौहार – इंजी0 राजेन्द्र शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के पवित्र भैरव बाबा मंदिर के पास एक दम्पति को बंधक बनाकर महिला के साथ गैंगरेप की अमानवीय घटना तथा जिले में बढ़ती हुई नशा प्रवृत्ति को रोक पाने मे विफल जिले की लचर कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदारों के विरूद्ध अबतक समूचित कार्यवाही न किये जाने को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने जिले की लचर कानून व्यवस्था को लेकर रोष प्रकट किया और कहा कि विगत् 21 अक्टूबर को एक महिला के साथ सामूहिक गैंगरेप की घटना ने न केवल रीवा जिला वरन् पूरे प्रदेश को शर्मसार किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी इस प्रकार की घटना के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अबतक की गयी कार्यवाही को असंतोषजनक बताया और कहा कि, कांग्रेस पार्टी अब चुप नही बैठेगी और इसप्रकार की घटनाओं पर रोक लगाने और ब?ते हुए नशा एवं कोरेक्स (कफ सीरप) के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाये जाने हेतु चरणबद्ध आंदोलन करेगी। श्री शर्मा ने आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कहा कि दिनांक 28 अक्टूबर को आई.जी. कार्यालय रीवा के समक्ष विशाल धरना सत्याग्रह प्रातः 11:00 से आरंभ होगा। साथ ही आई.जी. महोदय को मांगों से सम्बंधित ज्ञापन भी सौंपा जायेगा। इसी क?ी में दिनांक 29 अक्टूबर को जिले के सभी ब्लॉकों में जनजागरण एवं 30 अक्टूबर को महिला कांग्रेस, एन.एस.यू.आई., युवा कांग्रेस के नेतृत्व एवं वरिष्ठ कांग्रेस जनों की उपस्थिति में मशाल जुलूस निकाला जायेगा। दिनांक 31 अक्टूबर को जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ने यह तय किया है कि दीपावली का त्यौहार नहीं मनाया जाएगा। और दीपावली के दिन से 02 नवम्बर तक क्रमिक शांतिपूर्ण धरना किया जायेगा। 03 नवम्बर को रीवा बंद कराने का भी निर्णय लिया गया हैं। इतने के बावजूद भी यदि प्रशासन द्वारा समूचित कार्यवाही नही की जाती है तो आगामी दिनों में कांग्रेस पार्टी गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेगी। उन्होंने सभी कांग्रेस जनों से 28 अक्टूबर को भारी संख्या में धरना प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की हैं। इसके पश्चात जिला के पूर्व अध्यक्ष स्व. रामगरीब मिश्रा के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धंजलि अर्पित की गई।

बैठक में प्रमुख रूप से विधायक सेमरिया अभय मिश्रा, लोकसभा प्रत्याशी नीलम मिश्रा, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, लक्ष्मण तिवारी, गुरूमीत सिंह मंगू, कविता पाण्डेय, शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल, गोविन्दास तिवारी, रमाशंकर सिंह, बबिता साकेत, गिरीश सिंह, संगठन मंत्री रवि तिवारी, सज्जन पटेल, सत्यनारायण तिवारी, अनिल मिश्रा, मानवेन्द्र सिंह नीरज, लाल जी मिश्रा, सीमा सिंह, तारा त्रिपाठी, मुस्ताहक खान, डॉ विमल पाण्डेय, धनेन्द्र सिंह बघेल, अकरम अंसारी, विनोद शर्मा, साबिर अंसारी, अशोक पटेल झब्बू, सहफूज खान, उमेश वर्मा, पंकज उपाध्याय, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, रामकीर्ति शर्मा, अखिलेश द्विवेदी काकू, पदमदीप शुक्ला, जितेन्द्र सिंह, महेन्द्र उपाध्याय, मुद्रिका पटेल, राजकरण सिंह, श्याम किशोर मिश्रा, अशोक शुक्ला, आनंद कुशवाहा, डॉ प्रतिभा सिंह, इस्तहाक खान, शशिमोल तिवारी, प्रभात, सुरेश वर्मा, उदित नारायण मिश्रा, राजेन्द्र सिंह, राजमणि तिवारी सहित महत्वपूर्ण कांग्रेस जन उपस्थित रहे।जिला कांग्रेस कमेटी रीवा

# मुख्यमंत्री डॉ यादव अल्प प्रवास पर रीवा पहुंचे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सतना में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत मध्यप्रदेश शासन के हेलीकाप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव भी थीं। रीवा एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ यादव का प्रदेश के पशुपालन मंत्री श्री लखन सिंह पटेल, नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद रीवा श्री जनार्दन मिश्र, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार सहित आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल एवं पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी रीवा एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा इंदौर के लिए रवाना हुए।

# साय और मोदी जी द्वारा शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर करने की डबल गारंटी मांग को लेकर शिक्षक संघर्ष मोर्चा का जोरदार आंदोलन, सड़कों पर उतरने पर मजबूर

बिलासपुर । प्रदेश शिक्षकों के चार बड़े बड़े संगठनों ने आज पूरे राज्य के प्रत्येक जिला में महा आंदोलन कर माननीय मोदी जी व साय जी के डबल गारंटी को याद दिलाया। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रंजीत बनर्जी ,प्रदेश महासचिव अश्वनी कुर्रे,मनोज सनाढ्य ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में गारंटी दिया था कि हमारे सरकार बनने के बाद100 दिनों में शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर करेंगे, अब सौ दिनों से ज्यादा का समय हो चुका है,अभी तक शासन ने शिक्षकों के हितों के लिए कोई पहल नहीं किया है जिससे शिक्षक संवर्ग दुखी व आक्रोशित है। सरकार की इसी वादा खिलाफी को देखकर मजबूरी में प्रदेश के चार बड़े संगठन ने एकता सूत्र में बांधकर माननीय साय,जी व मोदी जी के डबल गारंटी को याद दिलाया और कहा हर सरकार ने हमें ठगा है जिससे हम लोग बहुत दुखी हैं ।सरकार बनने से पहले बड़े-बड़े वादा किए जाते हैं परंतु वादा को निभा नहीं पाते हैं शिक्षक देश का नींव गढ़ते है शिक्षक ही अच्छा शिक्षा देकर नव निहालों का भविष्य उज्ज्वल करते हैं । शिक्षक ही कई प्रकार के आर्थिक कार्य की बोझ में रहेंगे तो पढ़ाई में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है प्रदेश के लगभग 80 फ़ीसदी शिक्षक कर्ज से डूबे हुए हैं जीवन भर कमाते हैं शिक्षकीय कार्य के अंतिम स्टेज में जब 10 से 15 साल सर्विस बचा रहता है तब हिम्मत करके अपना खुद का घर खरीद पाते हैं जीवन भर कर्ज में दबे होते है,इसके बाद भी समय-समय में सरकार बदलती रहती है और शिक्षकों से बड़े-बड़े वादा किया जाता है वह वादा कोई सरकार सही समय में निभाते नहीं है जिससे शिक्षक बहुत ही उद्वेलित व दुखी और ठगे से महसूस करते हैं।

बिलासपुर जिला के जिला अध्यक्ष श्री संतोष सिंह डी एल पटेल, विकास कायरवार,जय कौशिक ने कहा कि जब जब सरकारों ने हमें ठगा है तब तब सरकार को शिक्षकों ने लोकतंत्र के माध्यम से बदला है ,लगभग 2.50 लाख से ज्यादा शिक्षक संवर्ग हमारे राज्य में है और उनके फैमिली है अर्थात राज्य में उनके फैमिली मिलकर 25 लाख वोटर है इस स्थिति को देखकर बड़े बड़े वादे हमसे करते है । अपने वादे सरकारों ने कभी भी समय में पूरा नहीं किए है। जिस वजह से हमें मजबूरी वश अपनी जायज मांगों के लिए सड़क पर उतरना पड़ता है। पूरे शिक्षक नियुक्ति तिथि से पेंशन, व क्रमोन्नति के लिए कई वर्षों से आंदोलन कर रहे है। सम्माननीय हाई कोर्ट ने शिक्षकों के पक्ष में क्रमोन्नति का फैसला देकर सरकार को देने को कहा है। आज की इस जिला स्तरीय धरना में प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश महासचिव उपाध्यक्ष रंजीत बनर्जी,प्रदेश महासचिव अश्वनी कुर्रेमनोज सनाढ्य डी एल पटेल,आशुतोष सिंह,विकास कायरवार जय कौशिक,चंद्र प्रकाश तिवारी,अवधेश विमल,दसमत जायसवाल,सुनील पांडे वीरेंद्र यादव,अशोक कुर्रे,संजय कौशिक,राजकुमार कोरी संतोष गडेवाल,अमलेश पाली,आलोक पांडे,साथेलाल पटेल, विरेन्द्र यादव,दश्मंत जयसवाल,गेन्दलाल अहिरवाल , राजेश रजक, जे शेखर राव,जे पि कश्यप, हरेंन्द कौशिक,माखन साहू,विनित देवरा ,दिलहरण साहू,राम शंकर योगी, विजय जातवर राजेश सिंह राजेश मिश्रा अब्दुल गफ्फार,नर्मदा गड़ेवाल ,संतू यादव,प्रमोद कीर्ति आदि उपस्थित रहे।

### राजस्व मामले में शिथिलता बरतने पर तीन तहसीलदारों को नोटिस

# कलेक्टर ने की मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा

बिलासपुर । कलेक्टर अवनीश शरण ने राजस्व मामले में शिथिलता बरतने पर बिलासपुर तहसीलदार मुकेश देवांगन, रतनपुर तहसीलदार आकाश गुप्ता और कोटा तहसीलदार प्रकाश साहू को नोटिस जारी किया है। उन्होंने विशेषकर नक्शा बटांकन में ढिलाई बरती है जो कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सर्वोच्च प्राथमिकता का काम है। कलेक्टर अवनीश शरण आज राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं में प्रगति लाते हुए और तेज गति से कार्य करें। कलेक्टर ने गिरदावरी का कार्य पूरी शुद्धता से करने कहा। डिजीटल क्रॉप सर्वे का काम भी समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। राजस्व मामलों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मनरेगा के कामों में और प्रगति लाते हुए मजदूरों की संख्या बड़ाने के निर्देश दिए। पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए सेचुरेशन लेवल हासिल करने तक प्रगति लाने निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कुष्ठ रोग और टीबी उन्मूलन के लिए और बेहतर कार्य करने कहा। सामुदायिक अस्पतालों में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्रों में एक भी बेड खाली न रहे यह प्रयास करें। एनएचएम के रिक्त पदों पर भरती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत आर पी चौहान, एडीशनल कलेक्टर तन्मय खन्ना सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

### जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुर्नवीक्षा समिति की बैठक संपन्न

# किसान क्रेडिट कार्ड एवं अन्य लोक हित की योजनाओं के त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा 25 अक्टूबर 2024/ कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल कुमार रावटे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुर्नवीक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में रिजर्व बैंक के अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी, नाबार्ड विभिन्न संबंधित विभागों के जिला अधिकारी सहित जिले के विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने सभी बैंक अधिकारियों को किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित आवेदनो के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। आधार सीडिंग के कार्य में आगामी बैठक के पूर्व कम से कम 90 प्रतिशत से अधिक की उपलब्धि हासिल किए जाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में भी बैंकों को पात्रतानुसार अधिक से अधिक संख्या में लाभ हितग्राहियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मुद्रा योजना में शिशु, किशोर एवं तरुण घटको के लिए पृथक लक्ष्य बैंकवार निर्धारित करने हेतु जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देश दिया गया। वार्षिक साख योजना 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति तत्काल हासिल करने के निर्देश सभी बैंकों को निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अन्य सभी शासकीय योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बैठक में पिछले जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुमोदन पर चर्चा, बैंकिंग गतिविधियों पर चर्चा, ऋण जमा अनुपात पर समीक्षा एवं चर्चा, वार्षिक साख योजना 2024-25 की लक्ष्य एवं प्रगति पर चर्चा, शासकीय योजना अंतर्गत ऋण वितरण के लक्ष्य एवं प्रगति पर समीक्षा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के संबंध में चर्चा, आरसेटी की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा - निर्देश दिए।

# सांसद हेमा मालिनी पांच दिवसीय दौरे पर मथुरा आई

मथुरा। जनपद की सांसद श्रीमती हेमा मालिनी अपने पांच दिवसीय दौरे पर मथुरा आ गयी है। वह 25 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक राजनैतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक, कार्यक्रमों में शामिल होंगी। अलग अलग दिनों में सांसद नेशनल हाईवे, मथुरा वृन्दावन नगर निगम, एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परक कार्यो की जानकारी लेंगी । इन दिनों में वह अपने ओमेक्स वृंदावन स्थित आवास पर आम नागरिकों की समस्याओ की सुनवाई भी करेंगी।

# रावण दहन के स्थल व व्यवस्थाओं का रामलीला कमेटी पदाधिकारी व सम्बंधित प्रशासनिक व निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण

## कमियों को शीघ्र दूर करने के अधीनस्थों को दिए निर्देश

श्री बाल रामलीला कमेटी के तत्वाधान में 28 अक्टूबर को होने वाली रावण दहन की लीला के लिए रामलीला कमेटी द्वारा लगभग तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है, रावण दहन की सभी व्यवस्थाओं को लेकर कमेटी के सभापति विशन दयाल सर्राफ एवं प्रधानमंत्री योगेंद्र चतुर्वेदी एडवोकेट (योगी) के द्वारा साथी पदाधिकारियों के साथ रावण दहन लीला स्थल यमुना मिशन पर जाकर स्थल का निरीक्षण किया प्रातःकाल मथुरा नगर निगम के नगर आयुक्त शशांक चौधरी एवं सायं नगर उपायुक्त ए के सिंह और उनके साथ इंजीनियर, सफाई निरीक्षक, और नगर निगम के काफी संख्या में अधिकारी टीम के साथ उपस्थित रहे जिन्होंने वहां पर पहुंचने वाले सभी मार्गों का पूरी तरह निरीक्षण किया एवं जहां-जहां कमियां दिखाई दीं उनसे संबंधित अधिकारियों से उन्हें तत्काल रूप से सही करने के निर्देश दिए इस संबंध में सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है 28 अक्टूबर को विशालकाय दशानन रावण के पुतले का दहन भगवान श्री राम द्वारा बहुत ही धूमधाम से किया जाएगा प्रकाशनार्थ मौके पर प्रमुख रूप से, उपसभापति पंकज शर्मा सुरेन्द्र चौधरी उप प्रधानमंत्री विकास वार्ष्णेय योगेंद्र गोयल कोषाध्यक्ष संजय चौधरी निरीक्षक गुड्डू अग्रवाल योगेश आवा, राजीव मित्तल सोनू,संजय ,कृष्ण मुरारी रंग वाले,सौरभ खंडेलवाल,संजय चौधरी, मौजूद रहे

# थाना में पदस्थ समस्त अधिकारी/कर्मचारियों से मुलाकात कर सभी का उत्साहवर्धन किया

**विवेक राय की रिपोर्ट**

श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा श्रीमान् एसडीओपी महोदय जतारा श्री अभिषेक गौतम के साथ दिनांक 27/10/24 को थाना चंदेरा का निरीक्षण किया गया थाना में पदस्थ समस्त अधिकारी/कर्मचारियों से मुलाकात कर सभी का उत्साहवर्धन किया थाना का मालखाना, हवालात, रजिस्टर, रिकार्ड चैक किया व गणमान्य नागरिकों से संबाद कर नशा मुक्ति यातायात व्यवस्था सुदर्ण बनाने हेतु, सायबर क्राइम की सजगता, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम संबंधी जागरुकता कार्यक्रम, स्कूल की छात्र, छात्राओं से जनसंवाद कर गुड टच, बैडटच, नवीन अधिनियम के संबंध में जानकारी देना व क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कठोरतम कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया एवं जनचौपाल के माध्यम से जागरुकत कार्यक्रम करने हेतु बताया गया सभी को दीपावली त्यौहार शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण मनाने हेतु बताया गयानिरीक्षण के दौरान उनि नारायण खटीक मंच प्रभारी चंदेरा, उनि दयाराम, सउनि कर्ण, प्र.आर. 407 रामचन्द्र, आर. 170 काशीराम, आर. 566 योगेन्द्र, आर. 455 वेदप्रकाश शर्मा, आर. 713 गणेश, आर. 711 मोहित, आर. 715 कपिल परिहार, आर. 283 पुजारी शर्मा, आर 62 अरुण, आर 217 राजनेता, आर 266 दिनेश, एम.आर 663 रॉकेट, आर 432 रुचि जाटव उपस्थित रहे।

# अवैध रूप से फटाखा बिक्री करने वाले आरोपियों के विरुद्ध थाना पामगढ़ पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में जिले में अवैध फटाका की भंडारण एवं बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा अवैध रूप से फटाखा बिक्री हेतु रखने वालों के विरुद्ध कार्यवाही किया गया जिसमें मुखबिर सूचना पर दिनांक 23/10/2024 को रेड कार्यवाही कर तीन अलग अलग जगहों से आरोपी (01) आरोपी खगेन्द्र कौशिक उम्र 28 साल निवासी डोंगकोहरौद के कब्जे से विभिन्न प्रकार के फटका कुल कीमती 2,53,646/ रू 02 आरोपी शिवचरण कश्यप उम्र 40 साल निवासी डोंगकोहरौद के कब्जे से कार्टून व प्लास्टिक के बोरी में रखे विभिन्न प्रकार के पटाखा कुल कीमती 62,317/ रु 03 आरोपी सूरज कुर्रे उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 6 पामगढ़ थाना पामगढ़ जिला जांजगीर चांपा के कब्जे कार्टून में भरा विभिन्न प्रकार के अवैध पटाखा कुल कीमती 1,19,661/ रू जुमला कीमती 4,35,624 /- रुपये को बरामद किया जाकर आरोपियो के विरुद्ध धारा 9 (ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 का घटित करना पाए जाने से विधिवत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की गई है। उपरोक्त कार्यवाही मे उपनिरी. मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगड़, स.उ.नि. सरोज पाटले, रामदुलार साहू, म.प्रधान आर. बालमती यादव, आर. रज्जू रात्रे, सूरज पाटले, भुनेश्वर साहू, विश्वजीत आदिले, टिकेश्वर राठौर, उमेश दिवाकर एवं थाना पामगड़ स्टाफ का योगदान रहा।

**सर्प दंश से बचाव के उपाय व युवाओं को ,एक लघु प्रशिक्षण दिया गया**

# सर्प दंश से बचाव के उपाय व युवाओं को ,एक लघु प्रशिक्षण दिया गया

**जन अभियान परिषद् के बैनर तले एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के छात्र -छात्राओं को दिया गया सर्पदंश से बचाव के उपाय का प्रशिक्षण**

अंबाह। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की सहयोगी नवांकुर संस्था आदर्श रामसनेही जी जन चेतना शिक्षा एवं विकास समिति अंबाह के द्वारा सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबाह में के छात्रों के साथ सर्पदंश के बचाव के विषय पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें विषय सर्पदंश बचाव में एक संगोष्ठी के साथ साथ हम किस तरह सर्पदंश वाले मरीज को मरने से कैसे बचा सकते इस प्रशिक्षण को प्रशिक्षण देने वाले में ब्लॉक समन्वयक रामकेश सिकरवार जी और संस्था के प्रमुख सुरेंद्र सिंह छारी जी मुकेश छारी सुशील छारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया सभी को सर्वप्रथम बचाव में सावधानियां बरतनी जहरीले सर्प की पहचान करना सर्पदंश के समय हमारे कर्तव्य क्या-क्या होने चाहिए जैसे मरीज के साथ अच्छा व्यवहार शांति बनाए रखना उस पर कट मारना उस स्थान को बांधना खून चूसना आदि न करे हम किसी वाहन द्वारा या एम्बुलेंस के द्वारा उसे अस्पताल में ले जाने की कोशिश करें ना के झाड़ फूंक चिरफाड बांधना अन्य कार्य न करें ना ही सर्प को ढूंढने और नहीं पकड़ने के चक्कर में पड़े हमें शीघ्र से शीघ्र हॉस्पिटल ले जाने की कोशिश करें प्रशिक्षण में धर्मेंद्र सिंह तोमर ,कुलदीप शर्मा आनंद तोमर ,रवि राठौर ,ममता राठौर ,सुधा तोमर ,संध्या ,राज तोमर ,आदि छात्र छात्राओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया और अंत में सभी ने प्रण लिया अगर भविष्य में अगर हमारे आसपास ऐसी घटना या समस्या होती है तो हम सर्पदंश वाले व्यक्ति को बचाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे और इस कार्यक्रम में मैटर राधाचरण तोमर नेहातोमर, उपस्थिति थे और डॉ प्रेम दीप कुलश्रेष्ठ के ने इस कार्यक्रम का संचालन किया और अंत मे गिरजाशंकर शर्मा जी के द्वारा सम्मान के साथ सभी का आभार व्यक्त कियाअंबाह। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की सहयोगी नवांकुर संस्था आदर्श रामसनेही जी जन चेतना शिक्षा एवं विकास समिति अंबाह के द्वारा सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबाह में द्वह्य2,ड्डह्य2 के छात्रों के साथ सर्पदंश के बचाव के विषय पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें विषय सर्पदंश बचाव में एक संगोष्ठी के साथ साथ हम किस तरह सर्पदंश वाले मरीज को मरने से कैसे बचा सकते इस प्रशिक्षण को प्रशिक्षण देने वाले में ब्लॉक समन्वयक रामकेश सिकरवार जी और संस्था के प्रमुख सुरेंद्र सिंह छारी जी मुकेश छारी सुशील छारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया सभी को सर्वप्रथम बचाव में सावधानियां बरतनी जहरीले सर्प की पहचान करना सर्पदंश के समय हमारे कर्तव्य क्या-क्या होने चाहिए जैसे मरीज के साथ अच्छा व्यवहार शांति बनाए रखना उस पर कट मारना उस स्थान को बांधना खून चूसना आदि न करे हम किसी वाहन द्वारा या एम्बुलेंस के द्वारा उसे अस्पताल में ले जाने की कोशिश करें ना के झाड़ फूंक चिरफाड बांधना अन्य कार्य न करें ना ही सर्प को ढूंढने और नहीं पकड़ने के चक्कर में पड़े हमें शीघ्र से शीघ्र हॉस्पिटल ले जाने की कोशिश करें प्रशिक्षण में धर्मेंद्र सिंह तोमर ,कुलदीप शर्मा आनंद तोमर ,रवि राठौर ,ममता राठौर ,सुधा तोमर ,संध्या ,राज तोमर ,आदि छात्र छात्राओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया और अंत में सभी ने प्रण लिया अगर भविष्य में अगर हमारे आसपास ऐसी घटना या समस्या होती है तो हम सर्पदंश वाले व्यक्ति को बचाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे और इस कार्यक्रम में मैटर राधाचरण तोमर नेहातोमर, उपस्थिति थे और डॉ प्रेम दीप कुलश्रेष्ठ के ने इस कार्यक्रम का संचालन किया और अंत मे गिरजाशंकर शर्मा जी के द्वारा सम्मान के साथ सभी का आभार व्यक्त किया

# दीवाली एवं छठ पर्व के अवसर पर झांसी मंडल द्वारा की गई विशेष तैयारियां

**पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड**
**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

**आरपीएफ और वाणिज्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद**

ग्वालियर । दीवाली और छठ पर्व के दौरान अतिरिक्त भीड़ के दृष्टिगत मंडल रेल प्रबंधक,दीपक कुमार सिन्हा के मार्गनिर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के नेतृत्व में झांसी रेल मण्डल की टीम द्वारा रेल यात्रियों को हर संभव सुविधा प्रदान करने का प्रयास निरंतर जारी है । वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देशों के क्रम में वाणिज्य विभाग द्वारा दीवाली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की भी? को देखते हुए विशेष तैयारियां की गई है। सभी प्रमुख स्टेशनों के स्टेशन निदेशक, स्टेशन प्रबन्धक/अधीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक तथा मुख्य टिकट निरीक्षकों को स्टेशन पर आ रहे यात्रियों की सुविधा के लिए सतर्क निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही सुगमतापूर्वक यात्रियों को ट्रेन में बिठाए जाने हेतु निर्देशित किया गया है । यात्रियों की सुगम यात्रा और समस्याओं के त्वरित निदान और निगरानी के लिए मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारीयों तथा वाणिज्य निरीक्षकों की पालीवार तैनाती की गई है। दिवाली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए मंडल के प्रमुख स्टेशनों वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी,ग्वालियर, ललितपुर,मुरैना,उरई,चित्रकूट, महोबा,बांदा,आदि स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टिकट काउंटर शुरू किये गये हैं। इसके अतिरिक्त बुकिंग पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है की वे त्योहार के दौरान भीड़ पर सतर्क निगरानी रखें तथा भीड़ होने तुरंत त्वरित रूप से



अतिरिक्त काउंटर खुलवाकर भीड़ को नियंत्रित करें।खंड के वाणिज्य निरीक्षकों एवं बुकिंग पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है की दीवाली एवं छठ पर्व को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की भीड़ का आकलन करें। आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध सभी कर्मचारियों द्वारा सभी काउंटर खुलवाना सुनिश्चित करें। प्रमुख स्टेशनो पर उपलब्ध सभी एटीवीएम चालू रखने तथा सभी फैसीलिटेटर ड्यूटी पर रोटेशन में रखे जाने का निर्देश दिया गया है।यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों तथा गाड़ियों मे खान-पान की अतिरिक्त उपलब्धता, गाड़ियों के कोचों तथा स्टेशनों पर साफ सफाई, स्टेशनों पर गाड़ियों एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का उद्घोषणा प्रणाली से प्रसारण, स्पेशल गाड़ियों के संचालन सबन्धित सूचना अखबारो मे प्रसारित, सूचना बोर्ड पर सभी यात्री गाड़ियों की नियमित रूप से अपडेट करने हेतु निर्देश जारी कर दिए गए है। वहीं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री विवेकानंद नारायण के नेतृत्व में पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बलों की तैनाती भी की गयी है। प्लेटफार्म पर अधिक से अधिक बल सदस्य, एवम महिला बल सदस्य, और पर्यवेक्षकों की तैनाती की जा रही है। राजकीय रेल पुलिस के साथ समन्वय रखते हुए गाड़ियों में ज्वलनशील पदार्थ, पटाखे,अल्कोहल एवं अन्य संवेदनशील वस्तुओं का परिवहन ना हो सके इसके लिए सघन चेकिंग व जांच की जा रही है।महत्वपूर्ण गाड़ियों के आवागमन के समय, व गाड़ियों के टर्मिनेशन स्थान पर स्वान दस्ते द्वारा गाड़ियों की चेकिंग कराई जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों को अपरिचित व्यक्तियों से कोई खाने-पीने आदि का सामान न लेने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए बल सदस्य क्ष्सिस्टम व स्टीकर के माध्यम से यात्रियों को जागरुक कर रहे हैं, इस कार्य में स्वयंसेवी संस्था आर पी एफ मित्र का भी सहयोग लिया जा रहा है। जवानों की उपलब्धता अधिक से अधिक रखने के लिए उनके अवकाश बंद किए गए हैं आवश्यकता अनुसार 12 घंटे ड्यूटी शिफ्ट भी लगाई जा रही है,एवं उच्च अधिकारियों द्वारा सुरक्षात्मक कार्रवाई सुचारू संचालन का सघन पर्यवेक्षक किया जा रहा है।दीवाली एवं छठ पर्व मे गाड़ियों मे खतरनाक, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थों तथा पटाखों की कोचों मे परिवहन को रोकने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। गाड़ियों के सामान्य डिब्बों मे यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त टिकट चेकिंग कर्मचारी एवं रेलवे सुरक्षा बलों की उप्लब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। स्टेशनों पर उपलब्ध सभी यात्री सुविधाओ को सभी विभागों से समन्वय कर सही रूप से संचालित रखने हेतु निर्देशित किया गया,इसके अतिरिक्त वेटिंग रूम तथा शौचालयों की नियमित सफाई,व्हील चेयर की उपलब्धता पर विशेष निगरानी रखा जाना निर्देशित है।

# पेंशनर्स कर्मचारियों को प्रताड़ित कर रही है सरकार- सेवानिवृत्ति डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ- एसके शर्मा

**सरकार ने बात नहीं मानी तो 4.50 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारी सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंग**

**दैनिक पुष्पांजलि टुडे**

गोहद। भिंड जिले की गोहद तहसील में रविवार को सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ मध्य प्रदेश जिला समिति भिण्ड का प्रथम अधिवेशन चम्बल रेस्ट हाउस चम्बल कॉलोनी गोहद जिला भिण्ड में संपन्न हुआ। जिसमें जिले की पूर्व कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी निर्वाचन विधि के अनुसार संपन्न कराते हुए अरविन्द दुबे को सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ जिला समिति भिण्ड का सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, आर.डी.राठौर को जिला सचिव, डी.सी.शर्मा को कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया। संरक्षक पद पर राजनाथ बरुआ को मनोनीत किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कार्यकारी प्रांताध्यक्ष सेवानिवृत इंजीनियर एसके शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सेवानिवृत्तों को सरकार प्रताड़ित कर रही है उन्होंने कहा कि सन् 2000 में प्रदेश का बंटवारा हुआ था तब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के रूप में उस समय तय हुआ था कि जो डीए / डीआर मध्यप्रदेश तय करेगा वही छत्तीसगढ़ भी तय करेगा, छत्तीसगढ़ तय करेगा वही मध्य प्रदेश भी तय करेगा,दोनों राज्यों की सहमति के आधार पर ही डीए/डीआर मिलेगा द्य छत्तीसगढ़ घोषणा करता है तो मध्यप्रदेश की अनुमति लेनी पड़ती है और मध्यप्रदेश घोषणा करता है तो छत्तीसगढ़ की अनुमति लेनी पड़ती है धारा 49 (6) का बहाना लेकर सेवानिवृत कर्मचारियों को परेशान



किया जा रहा है। सरकार हमेशा यह कहते हुए कि उनकी अनुमति लेना है उनकी अनुमति नहीं हो जाएगी तब तक हम आपको डीए/डीआर का भुगतान नहीं कर सकते यही छत्तीसगढ़ सरकार कहती है,ज्यादातर कर्मचारी सेवानिवृत हो चुके हैं द्य धारा 49 (6) को समाप्त कर देना चाहिये द्य सरकार की मोनोपोली से प्रदेश का कर्मचारी प्रताड़ित हो रहा है द्य सरकार पैंसनर्स को डी.आर. का भुगतान नहीं कर रही जो काफी समय से लंबित चल रहा है। पूरे प्रदेश में लगभग 4¬50 लाख सेवा निवृत कर्मचारी है सरकार नहीं मानी तो सेवानिवृत्ति संयुक्त मोर्चा का गठन कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि 25 अक्टूबर को एक विशाल जनसभा वल्लभ भवन भोपाल में आयोजित हुई जिसमें आगे के आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है जिसके अनुसार सभी संगठनों और घटकों के साथ संयुक्त मोर्चा का गठन किया जाएगा और सरकार को बात मनवाने के लिए मजबूर किया जाएगा कि हम सेवानिवृत्तों के साथ भेदभाव, मनमानी कब तक चलेगी हमें प्रताड़ित किया जा रहा है हमारी सुनवाई नहीं की जा रही है। कार्यक्रम में अन्य सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स पदाधिकारीयों ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीराम शर्मा सदस्य प्रांतीय कार्यकारिणी के द्वारा की गई, विशिष्ट अथिति दिलीप पांडेय उप प्रांताध्यक्ष (निर्वाचन पर्यवेक्षक) यूं.एस.यादव, संरक्षक क्षेत्रीय समिति ग्वालियर (निर्वाचन अधिकारी), इंजीनियर के.एस.नरवरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष ग्वालियर (सहायक निर्वाचन अधिकारी) के रूप में उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने आगंतुकों व अतिथियों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का पुष्पहार एवं पुष्प गुच्छ से सम्मान किया। इस दौरान इंजीनियर राजनाथ बरुआ, मुनेन्द्र सिंह कुशवाह, राजकमल शर्मा, विष्णु वार्ष्णेय, डी.एस.चौहान, आर.के.शर्मा (बाबा), शैलेश सिंह कुशवाह, एन.आर.प्रजापति,दिलीप सप्रे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द दुबे द्वारा किया गया। स्वागत भाषण इंजीनियर डी.सी.शर्मा द्वारा एवं आभार प्रदर्शन शैलेश सिंह कुशवाह द्वारा व्यक्त गया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्ति संघ के अनेकों आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

# शासन से पट्टे पर मिली जमीन को बिना कलेक्टर अनुमति के बेच दिया गया।

बिलासपुर। शासन से पट्टे पर मिली जमीन को बिना कलेक्टर अनुमति के बेच दिया गया। सुनवाई के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने तत्काल प्रभाव से 1.64 एकड़ जमीन का पट्टा निरस्त कर दिया है। मस्तूरी विकास खण्ड के ग्राम कुटेला की भूमि खसरा नंबर 16/11 कुल 1.64 एकड़ पट्टे की भूमि को बिना कलेक्टर की अनुमति बेच दी गई। 6 नवंबर 1962 को यह जमीन तुलसी राम पिता चंदेल को खसरा नंबर 10/5 में से 1.64 एकड़ भूमि प्राप्त होने का उल्लेख है, जिससे यह ज्ञात होता है कि वाद भूमि शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि है। उल्लेखनीय है कि प्रस्तुत वाद भूमि के विक्रय विलेख 25 अगस्त 2020 के अनुसार खसरा नंबर 10/11 रकबा 1.64 एकड़




असिंचित कन्हार एक फसली को आम मुख्तियार के माध्यम से कृष्ण कुमार कौशिक पिता भरत लाल कौशिक बोदरी निवासी को बेचा गया है, लेकिन शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि के विक्रय की अनुमति संबंधित पंजीकृत दस्तावेज में संलग्न नहीं थी। तुलसी पिता चंदेल के नाम पर दर्ज इस जमीन को पट्टेधारी के नाती द्वारा बिना अनुमति के शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि को अंतरित किया गया है। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता की धारा 165 तथा धारा 158 के उल्लंघन फलस्वरूप ग्राम कुटेला, प.ह.न. 62, तहसील मस्तूरी स्थिति भूमि, खसरा नंबर 16/11, रकबा 1.64 एकड़ भूमि का जारी किया गया पट्टा तत्काल प्रभाव से निरस्त किया है।

# स्पेश्यालिटी अस्पताल का वर्चुअली लोकार्पण, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समारोह में शामिल होंगे, कलेक्टर-एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

बिलासपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अक्टूबर को धनतेरस के पावन अवसर पर कोनी में सिम्स के नवनिर्मित मल्टी सुपर स्पेश्यालिटी अस्पताल का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। अस्पताल परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। लोकार्पण समारोह की तैयारियां तेजी से शुरू हो गयी हैं। कलेक्टर अवनीश शरण एवं एसपी रजनेश सिंह ने आज अस्पताल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप तमाम तैयारियां दो दिनों में पूर्ण करने के निर्देश दिए। हालांकि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम नहीं पहुंचा है। कलेक्टर शरण ने अधिकारियों के साथ मल्टी स्पेश्यालिटी अस्पताल के भीतर एवं बाहर परिसर में चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परिसर में ही एक छोटी आमसभा होगी। कलेक्टर ने मुख्य मंच, पण्डाल,बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली के लिए स्थल निर्धारित कर तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए। आम लोग यहां प्रधानमंत्री के लोकार्पण कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण सुन सकेंगे। कलेक्टर ने बारीकी से




हर तैयारी का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न वार्डों और उपकरणों का भी अवलोकन किया। गौरतलब है कि लगभग 200 करोड़ रूपये की लागत से कोनी में 10 मंजिल युक्त विशाल अस्पताल का निर्माण किया गया है। इसमें छह सुपर स्पेश्यालिटी के 240 बेड होंगे। अस्पताल के नोडल अधिकारी डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि फिलहाल ओपीडी सेवाएं शुरू होगी। चार विभागों की ओपीडी की तैयारी हो चुकी है। इनमें यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरो सर्जरी एवं जनरल मेडिसीन विभाग शामिल हैं। सिम्स और जिला अस्पताल में प्रारंभिक रूप से चयनित मरीजों को सुपर स्पेश्यालिटी अस्पताल में सूक्ष्म जांच होगी। सभा स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल भी सजाया जायेगा। मुख्य रूप से इसमें सिम्स एवं जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में पिछले 10 माह में आये बदलाव को खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया जायेगा। निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ आरपी चौहान, सीएमएचओ डॉ. प्रमोद तिवारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान उपस्थित थे।

# कुआतला ग्राम प्रधान पर जूनियर इंजीनियर से मारपीट का आरोप,जूनियर इंजीनियर ने कोतवाली पुलिस को दिया शिकायती पत्र

**ग्राम प्रधान से नहर किनारे से मिट्टी का वैध खनन रोकने पर हुआ विवाद**

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट**
**पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

ललितपुर। डम्फरों के जरिए मिट्टी का खुलेआम अवैध खनन व परिचालन कर रहे कुआतला ग्राम प्रधान पर राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हुये सिंचाई निर्माण खण्ड प्रथम में तैनात जूनियर इंजीनियर के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रकरण को लेकर जूनियर इंजीनियर ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मामला दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग उठायी है। वहीं दूसरी ओर अंदेशा व्यक्त किया जा रहा है कि जिला प्रशासन सरकारी नहर किनारे से मिट्टी के हो रहे अवैध खनन के खिलाफ बड़ा एक्शन ले सकता है।गोविन्द सागर बांध कालोनी में रहने वाले रमाकान्त वर्मा पुत्र रामप्यारे वर्मा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सिंचाई निर्माण खण्ड प्रथम में जूनियर इंजीनियर के पद पर तैनात हैं। बताया कि उनका कार्य क्षेत्र जाखलौन पम्प कैनाल है, जो कि 1 नवम्बर 2024 से संचालन का कार्य प्रस्तावित है। बताया कि शासन की प्राथमिकता पर रविवार को अपराह्न करीब 12 बजे वह सहायक अभियन्ता उपखण्ड द्वितीय श्रवण कुमार के आदेश पर वह अपने साथ जूनियर इंजीनियर कमलेश वर्मा पुत्र फाल्गों प्रसाद

के साथ जाखलौन पम्प कैनाल की शिल्ट सफाई कार्य के निरीक्षण को लेकर साइड पर गये हुये थे। बताया कि मौके पर नहर के बैक किनारे पर ग्राम कुंआतला प्रधान विजय राजपूत द्वारा बार-बार सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुये अवैध रूप से मिट्टी खुदाई का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके व उनके साथी जूनियर इंजीनियर ने ग्राम प्रधान कुआतला विजय राजपूत से मिट्टी का अवैध खनन करने का विरोध किया तो प्रधान विजय राजपूत द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुये गालियां दी गयीं और देख लेने की धमकी दी गयी। जूनियर इंजीनियर रमाकान्त वर्मा ने बताया कि वह नहर में शिल्ट सफाई का कार्य देखकर मुख्यालय वापस लौट रहा था। वह अपने साथी जूनियर इंजीनियर कमलेश वर्मा के साथ राजघाट रोड स्थित शुभ हैविन रिसोर्ट के पास तक पहुंचा ही था कि तभी सामने से कुआतलां ग्राम प्रधान विजय राजपूत अपने पांच अज्ञात साथियों के साथ मिले और उनका रास्ता रोक लिया। बताया कि रास्ते में रूकने के साथ ही ग्राम प्रधान ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुये कहा कि यदि थाने में शिकायत की तो मारकर फेंक दिया जायेगा।जूनियर इंजीनियर रमाकान्त वर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा धमकाया गया है कि वह उसे सहरिया जाति की दो महिलाओं को भेजकर उसके खिलाफ छेड़ड़ानी एवं घर में घुसने के आरोप में फंसवाते हुये रिश्वत का भी आरोप लगाकर मामला दर्ज करायेगा। जूनियर इंजीनियर ने यह भी बताया कि कुंआतला प्रधान विजय राजपूत ने उसे घर से उठवा लेने और उसके मूल निवास प्रतापगढ़ जो कि ललितपुर से 600 किमी दूर है तक नहीं पहुंचने दिये जाने की धमकी दी गयी है। जूनियर इंजीनियर ने बताया कि वह काफी भयभीत है। जूनियर इंजीनियर ने बताया कि यह पूरा प्रकरण शुभ हैविन रिसोर्ट पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी रिकॉर्ड हुयी है।

# प्रोजेक्ट नई किरण ने तीन परिवार फिर से किये एक

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट**
**पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

ललितपुर। स्थानीय पुलिस लाइन्स सभागार में पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन की उपस्थिति में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट में नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद तीन परिवार में आपसी सुलह के आधार पर समझौता कराया गया। तीनों परिवार खुशी-खुशी, साथ-साथ रहने को तैयार हो गये एवं आपस में मिठाई खिलाकर रिस्तों की मिठास का संदेश दिया। नई किरण प्रोजेक्ट से जनपद में बिखरे हुए परिवारों को जोडकर उनके दाम्पत्य जीवन में एक नई रोशनी आयेगी, नई किरण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बिखरे परिवार को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस दौरान सदस्य अजय बरया, डा. दीपक चैबे, डा. एस.पी.पाठक, डा. संजीव कुमार शर्मा, डा.जनक किशोरी शर्मा, सुधा कुशवाहा, एड.अरमान कुरैशी, थानाध्यक्ष महिला थाना स्वाति शुक्ला, महिला आरक्षी आदि का विशेष सहयोग रहा।

# एन.पी.के.एस. का प्रयोग कर सकते हैं किसान

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

ललितपुर। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के सभी किसानों को अवगत कराया है कि किसानों द्वारा फसलों की बुवाई के समय मुख्य रूप से डी.ए.पी. उर्वरक का ही प्रयोग किया जाता है, जिसमें दो मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन एवं फासफोरस ही पाया जाता है जिसके स्थान पर एन.पी.के.एस. ग्रेड 20रू20रू013 उर्वरक का प्रयोग कर सकते हैं, जिसमें दो मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन एवं फासफोरस के अलावा सल्फर 13 प्रतिशत अधिक पाया जाता है। एन.पी.के.एस. एक अमोनियम फासफेट सल्फेट उर्वरक है जिसमें दो मैक्रो तत्वों के अलावा सल्फर भी प्रदान करता है जो पौधों के विकास और क्लोफिल संश्लेशण में सहायता के लिये आवश्यक पोषक तत्व है। एन.पी.के.एस. उर्वरक मुख्य रूप से सभी फसलों और मिट्टी के लिये उपयुक्त है। विशेष रूप से सल्फर की कमी वाली मिट्टी के लिये बहुत ही लाभ दायक है। जनपद में दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई का क्षेत्रफल अधिक है। एन.पी.के.एस. उर्वरक में उपलब्ध पोषक तत्व दलहनी एवं तिलहनी फसलों के उत्पादन में अधिक लाभकारी हैं। एन.पी.के.एस. उर्वरक में पाया जाना वाला सल्फर तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा को बढाने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता में सुधार करता है। इस उर्वरक का प्रयोग फसल में बेसल और छिडकाव के रूप में कर सकते हैं। जनपद में एन.पी.के.एस. उर्वरक की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है।

# भिंड कलेक्टर ने अनुसूचित जाति के किसानों को निःशुल्क बीज वितरण किया एवं सूर्या फाउंडेशन के बिभिन्न आयामों का अवलोकन किया

**दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता**
**मालनपुर पहलवान सिंह राजावत**

मालनपुर/ मध्य प्रदेश के भिंड जिले के सर्वा गाँव में सूर्या फाउंडेशन द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोजित गेहूं एवं सरसों के बीज वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र ( लारी), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें कुल 118 लोगों को निःशुल्क बीज (40 किलो गेहूं, एवं 1 किलो सरसों प्रत्येक किसान) को वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को उन्नत कृषि संसाधन उपलब्ध कराना और उनकी कृषि उपज को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि श्री संजीव श्रीवास्तव जी (कलेक्टर एवं जिला दन्डाधिकारी भिंड), मुकुल चतुर्वेदी (एच. आर. महाप्रबंधक सूर्या रोशनी लिमिटेड मालनपुर भिंड), गौतम नायक (कृषि एवं पशुधन संवर्धन, व सफल प्रोजेक्ट प्रमुख सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली), संजय वशिष्ठ (कृषि सफल प्रोजेक्ट इंचार्ज सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुये गौतम नायक ने सूर्या फाउंडेशन के प्रकल्पों की जानकारी देते हुये बताया की सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जो विभिन्न प्रकार के आयामों द्वारा ग्राम विकास के कार्य करती है, जिसमें इंजियो द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा, आदर्श गाँव योजना द्वारा बच्चों के लिए संस्कार केंद्र, युवाओं के लिए यूथ क्लब, महिलाओं को स्वावलंबी बनाए के लिए सिलाई केंद्र, बच्चों को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए कंप्यूटर केंद्र, पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वृक्षारोपण, जल संरक्षण कार्यक्रम, एस बी ओ, ठीक तक, एवं कृषि विकास एवं पशुपालन द्वारा किसानों को उन्नतशील बनाने की दिशा में कार्यरत है। सूर्या ऐसे बीज वितरण कार्यक्रम आगे भी करती रहेगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कलेक्टर महोदय जी ने कहा कि आज किसानो को आधुनिक तकनीक से कृषि करने पर जोर देना एवं इसके लिए किसानो को सरकार एवं अन्य संस्थाओ पर निर्भर ना होकर स्वयं जागरूक होना चाहिए तभी कृषि के क्षेत्र में किसान आत्मनिर्भर बन सकेंगे7 कार्यक्रम के अंत में सूर्या रोशनी लिमिटेड के एच. आर. महाप्रबंधक श्री मुकुल चतुर्वेदी जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्यो का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन शिव राजवाड़े ने किया तथा मालनपुर के आसपास चल रहे सूर्या फाउंडेशन की गतिविधियों की जानकारी दी 7 कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर महोदय जी द्वारा मालनपुर क्षेत्र के आस-पास चल रहे सूर्या फाउंडेशन के विभिन्न प्रकल्पों का भी निरीक्षण किया एवं सूर्या कंप्यूटर केन्द्र में बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के महत्व पर चर्चा किये । इसके अलावा, क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ पौधारोपण किया गया और पर्यावरण के किये गए कार्य देखे 7 इसके बाद गाँव टूडीला में मल्टी लेयर संरचनाओं को देखा एवं कृषक कमलेश जाटव ने कलेक्टर महोदय को मल्टी लेयर फार्मिंग का अनुभव साझा किये 7 इसके पश्चात् गाँव सिंगवारी में सूर्या सिलाई कौशल केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया,यंहा महिलाओं के द्वारा बनाई जा रहे ड्रेस को देखकर उनकी आर्थिक लाभ के विषयों की जानकारी ली 7उन्होंने सूर्या फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर दिया ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अधिक लाभ मिल सके। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर महोदय ने सभी संबंधित लोगों को बधाई दी और कहा कि यह पहल समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगी। सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से समाज में शिक्षा, कृषि और कौशल विकास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

# मिट्टी के दिये विक्रय किये जाने हेतु आने वाले ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की न हो असुविधा - कलेक्टर

**पंकज त्रिपाठी**
**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कर वसूली न की जाएभिण्ड । कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड संजीव श्रीवास्तव ने आदेश जारी कर कहा है कि दीपावली पर्व हेतु जिले के ग्रामीणों एवं कुम्हारों द्वारा मिट्टी के दिये बनाये जाते हैं, तथा इन्हें इस त्योहार पर विक्रय हेतु बाजारों एवं हाटों में लाया जाता है।अतः आदेशित किया जाता है कि मिट्टी के दिये विक्रय किये जाने हेतु आने वाले इन ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसका पूर्ण रूप से ध्यान रखा जाऐ तथा नगर पालिका/नगर पंचायत क्षेत्र में इनसे किसी भी प्रकार की कर वसूली न की जाए। मिट्टी के दिये पर्यावरण की दृष्टि से भी उपयुक्त होने के कारण, आमजन को इनके उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित भी किया जाए।उक्तादेश का दृढ़तापूर्वक पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

## हजरत दादावली रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर जश्न-ए-गौसुलवरा सम्पन्न

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । अल्पसंख्यक एकता विकास परिषद भिण्ड के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया । अटेर क्षेत्र के ग्राम रानी विरगवां मे प्राचीन काल की ऐतिहासिक दरगाह हजरत दादावली रेहमतुल्लाह अलैह की मजारे पाक पर गुजिस्तां साल की तरह इस वर्ष भी जश्न-ए-गोसुलवरा (ग्यारहवीं शरीफ) के कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस जलसे में शिरकत करने वाले खुशूशी मेहमान जनाब सैय्यद रफीक अहमद (मास्टर साहब) भिण्ड व जनाब हाफिज असद भाई जामा मस्जिद भिण्ड ने अपने तकरीर मे कहा कि भारत वर्ष एक सूफी संतो का देश है। हमें इन संत सूफियों के बताये गये रास्ते पर चलकर इनके आचरण का अनुकरण करना चाहिये और आपसी मतभेदो को भुलाकर सर्व मानव समाज मे सड़द्भावना, भाईचारा एवं एकता कायम करना चाहिए और दुराचरण का परित्याग कर सत्य मार्ग पर चलकर सतकर्म करें और रब चाही जिन्दगी बसर करें, न कि मनचाही जिन्दगी जिये,ताकि अपने मालिक दो जहाँ अल्लाह पाक (ईश्वर) की रजामन्दी फैज हासिल हो सकें।पूर्व के परामपरा के अनुसार दरगाह दादावली पर चादर पोशी की गई, कुरान ख्वानी की तिलावत,फातिहा ख्वानी की रस्म अदा की गई और ग्यारहवी शरीफ का लंगर तकसीम किया गया। हिन्दू-मुस्लिम सर्वसमाज के श्रद्धालुओ ने बडे हर्षोल्लास के साथ जश्न-ए-गोसुलवरा कार्यक्रम मे बढ़-चढकर निष्ठापूर्वक भागीदारी कर हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा सद्भाव एकता का परिचय देकर भिण्ड जिले मे एक मिशाल कायम की जो सराहनीय है।इस कार्यक्रम मे विशेष रूप से शिरकत करने वाले लोगो में अल्पसंख्यक एकता विकास परिषद के अध्यक्ष इरशाद अहमद,कार्यक्रम संयोजक असलम वारसी भिण्ड, हाजी बाबू खॉन,बाबा करामत अली मलंग,मौसम अली,जफर खॉन, शहाबुद्दीन खॉन,छोटे खॉन,सुनील मिर्जा,सिद्दार खॉन,रहमान खॉन मंसूरी,रमजारी शाह,शकील खॉन,भारत सिंह रावत,पंकज त्रिपाठी,भागीरथ सिंह कुशवाह,विनय कुमार सक्सैना,रामसिया आदि एवं ग्राम रानी विरगवां के तमाम लोग सम्मिलित हुये।

# फांसी के फंदे पर झूलते मिले प्रेमी युगल के शव जखौरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचैरा का मामला शनिवार की रात से गायब थे युवक-युवती

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट**
**पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

ललितपुर। रविवार को ग्राम करारी में प्रेमी युगल के शव चिरौल के पेड़ पर एक ही रस्सी से फांसी के फंदे से लटके मिले। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हडकम्प मच गया। सूचना मिलने पर जखौरा पुलिस ने ग्राम पंचैरा पहुंच कर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रकरण प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है, इसलिए प्रथम दृष्ट्या इस प्रकरण में कई पहलू संदेहास्पद नजर आ रहे हैं। प्रकरण को लेकर क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय ने अपना बयान जारी कर बताया कि जांच प्रचलित है, जो तथ्य सामने आयेंगे, उसके अनुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

बताया जा रहा है कि जखौरा थानान्तर्गत ग्राम पंचैरा में रहने वाले रणवीर यादव की 18 वर्षीय पुत्री अर्चना यादव बीती शनिवार की रात से अचानक लापता हो गयी थी। प्रकरण के दौरान गांव में यह भी चर्चा थी कि सरमन पाल का 19 वर्षीय लडका भागचंद्र भी घर-गांव से गायब था। यादव परिवार व पाल परिवार युवक-युवती की खोजबीन कर रहे थे। वहीं लोगों ने भागचंद्र को फोन भी लगाया, लेकिन रात करीब एक बजे के दरम्यान फोन बन्द आया। रविवार की सुबह करीबन 9 बजे गांव से पांच किलोमीटर दूर स्थित ग्राम करारी से बेतवा नदी के जाने वाले मार्ग

के पास जंगल से लगे एक खेत में चिरौल के पेड़ पर दोनों के शव रस्सी से पेड़ पर संदिग्ध अवस्था में लटके मिले। यह देखकर युवक-युवती के परिजनों व अन्य ग्रामीणों के पैरों तले जमीन खिसक गयी। एक ही रस्सी से फांसी के फंदे पर लटके अर्चना यादव व भागचंद्र पाल के शवों को देखकर हर कोई गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल फोन लगाकर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जखौरा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों शवों को फांसी के फंदे से उतारकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### पोस्टमार्टम हाऊस पर पत्रकारों से लडका पक्ष की झड़प

करारी गांव से शव बरामद कर पुलिस जैसे ही मुख्यालय के नेहरूनगर स्थित पोस्टमार्टम हाऊस लेकर आयी तो मृतक के परिजनों से जानकारी जुटाने के लिए कुछ पत्रकार भी हाऊस जा पहुंचे। यहां लडका पक्ष की ओर से महज गिनती के ही लोग मौजूद थे। जबकि लडकी पक्ष की ओर से एक वृहद भीड़ एकत्र थी। यहां लडकी पक्ष से जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया तो मृतका के परिजन पक्ष से कुछ लोग अभद्रता करते हुये पत्रकारों से भिड़ते हुये देखे गये। लेकिन कुछ लोगों ने स्थिति को संभाला और पत्रकारों से नोंक-झोंक न हो इसका भी प्रयास किया।

### सीओ सदर अभय नारायण राय ने दिया बयान

थाना जखौरा के ग्राम करारी में चिरौल के पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शवों को बरामद करने के बाद क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय ने पुलिस महकमे के ऑफीशियल ग्रुप पर अपना रिकॉर्डिड बयान किया है, जिसमें सीओ सदर ने कहा है कि फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना किया है। दोनों शवों की शिनाख्त ग्राम पंचैरा निवासी के रूप में की गयी। सीओ ने जानकारी होने का हवाला देते हुये बताया कि मृतक व मृतिका के मध्य प्रेम प्रसंग था। कुछ माह पहले ही युवक की शादी हुयी है। मृत्यु किन कारणों से हुयी है, इसकी जांच-पड़ताल की जा रही है। जो भी तथ्य प्रकाश में आयेंगे, उस पर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

# रिया चक्रवर्ती

## को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, बरकरार रखा HC का फैसला

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सीबीआई की तरफ से जारी लुक आउट सर्कुलर रद्द की रहेगा. सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए महाराष्ट्र सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है.रिया चक्रवर्ती के साथ ही उनके पिता और भाई को भी राहत मिली है. दरअसल रिया की याचिका पर फरवरी में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई के लुक आउट सर्कुलर को रद्द कर दिया था. हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. अब सुप्रीम कोर्ट ने HC के फैसले को बरकरार रखा है.

**रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से राहत**

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में साल 2020 में सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती उनके भाई और पिता पर लुक आउट सर्कुलर जारी किया था. इसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि इसे जारी करने के पीछे कोई खास वजह नहीं है. साथ ही यह भी कहा गया था कि एक्ट्रेस और उनके परिवार ने जांच एजेंसियों के साथ पूरा-पूरा सहयोग किया है.

दरअसल 14 जून 2020 को अपने बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में सुशांत सिंह राजपूत मृत पाए गए थे. मुंबई में रिपोर्ट रजिस्टर कर जांच शुरू की गई थी. लेकिन सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने बिहार में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर कई आरोप लगाए गए. इस मामले को बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था. साल 2020 में ही सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था. जिसके बाद एक्ट्रेस ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां सीबीआई के लुक आउट सर्कुलर को रद्द कर दिया था. HC के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. अब महाराष्ट्र की अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है.सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है. फिल्मों में काम मिलना भी बंद हो गया था. हालांकि अब उनका करियर ट्रैक पर लौट रहा है. इस वक्त वो रियलिटी शो Roadies में नजर आ रही हैं.

## अबे बाप हूं तेरा- राशन टास्क के बीच फिर छिड़ गई करण वीर और अविनाश के बीच जंग

Bigg Boss 18 में अब धीरे-धीरे नए-नए पड़ाव आ रहे हैं. कंटेस्टेंट्स के बीच जमकर झगड़े भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन दर्शकों का ध्यान विवियन डीसेना, रजत दलाल, करण वीर मेहरा और अविनाश मिश्रा पर टिका हुआ है. 24 अक्टूबर के एपिसोड में, अविनाश मिश्रा और अरफीन खान ने सभी कंटेस्टेंट्स को घर में उनके योगदान के आधार पर रैंकिंग दी. रजत दलाल को नंबर 1 रखा गया और विवियन डीसेना को दूसरे नंबर पर जगह दी गई.बिग बॉस ने राशन टास्क रखा, जहां सारी पावर अविनाश और अरफीन के हाथों में सौंपी गई. कंटेस्टेंट्स को राशन तभी मिलेगा, जब वो अपनी बेहद खास चीज का त्याग करेंगे. अविनाश और अरफीन जिस भी कंटेस्टेंट के त्याग से खुश होंगे, वो उसे राशन दे सकते हैं. राशन टास्क के दौरान करण वीर मेहरा और अविनाश मिश्रा के बीच झगड़ा देखने को मिला.

**अविनाश पर फूटा करण वीर का गुस्सा**

दरअसल शिल्पा अपनी बेटी और पति की तस्वीर का त्याग करती हैं और बदले में करण वीर के लिए चिकन, विवियन के लिए कॉफी और बाकी खाने की चीजें अविनाश और अरफीन से मांगती हैं. लेकिन अविनाश साफ-साफ शिल्पा को राशन देने से इनकार कर देते हैं. अविनाश के फैसले के तुरंत बाद करण वीर काफी गुस्से में आ जाते हैं. दोनों के बीच झगड़ा बढ़ता है और अविनाश उन्हें चुप रहने को कहते हैं.

**अबे बाप हूं अच्छे से बात कर ङ्क करण वीर मेहरा**

अविनाश के शट अप कहते ही करण वीर मेहरा पलटवार में कहते हैं, अबे बाप हूं अच्छे से बात कर, रायपुर याद आ रहा है. वहीं दोनों का झगड़ा पूरे राशन टास्क के दौरान देखने को मिलता है. दोनों के बीच बहस का सिलसिला खत्म नहीं होता है. बिग बॉस के दिए गए राशन टास्क के जरिए कई कंटेस्टेंट्स की आंखें नम हो जाती हैं. बिग बॉस के घर में कंटेस्टेंट्स रोजाना नई-नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं.

## जिस चीज से जैकी श्रॉफ को था खास लगाव, जानवरों के लिए एक झटके में कर दिया उसे कुर्बान

67 साल के दिग्गज एक्टर जैकी श्रॉफ अभी भी फिल्मों में लगातार एक्टिव हैं. दिवाली पर जैकी श्रॉफ इस साल की बड़ी फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आने वाले हैं. सिर्फ हीरो बनकर ही नहीं बल्कि विलेन बनकर भी जग्गू दादा ने सभी का दिल जीता है. अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' में जैकी विलेन के रोल में ही नजर आने वाले हैं. एक्टर अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करते हैं, लेकिन उन्हें जानवरों से इस कदर प्यार है कि उन्होंने अपनी सबसे चहेती वैन दान तक कर दी थी.39 साल पहले जैकी श्रॉफ की फिल्म 'तेरी मेहरबानियां' रिलीज हुई थी. इस फिल्म में एक कुत्ते का अहम किरदार था, जिसका नाम मोती था. फिल्म की शूटिंग के दौरान जग्गू दादा को मोती से बेहद लगाव हो गया था. उन दिनों शूटिंग के दौरान एक्टर अपनी पसंदीदा वैन में ही आराम करते थे. उस वैन से उन्हें इतना प्यार था कि जल्दी वो किसी को उसमें घुसने भी नहीं देते थे. लेकिन मोती से लगाव के बाद वो उसे

वैन में आराम करने देते थे. उनके और मोती के अलावा उस वैन में किसी और को जाने की इजाजत नहीं थी.

**जब जग्गू दादा ने जानवरों के लिए दे दी अपनी वैन**

उस वैन के साथ जैकी श्रॉफ का इमोशनल कनेक्शन भी हो गया था. वो हमेशा शूटिंग के दौरान उसी वैन का इस्तेमाल करते थे. एक्टर को उस वैन से बेहद प्यार था वो उसकी काफी केयर भी करते थे, लेकिन आयशा जुल्का ने जग्गू दादा से वो वैन जानवरों की मदद के लिए मांग ली थी और उन्होंने उसे दे भी दिया था. खुद आयशा जुल्का ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें जैकी श्रॉफ की वैन जानवरों की एंबुलेंस बनाने के लिए चाहिए थी. वो ये बात भी जानती थीं कि दादा अपनी वैन से कितना प्यार करते हैं.

**आयशा जुल्का ने किया था खुलासा**

आयशा की मानें तो जब उन्होंने दादा से जानवरों के लिए वैन मांगी, तो उन्होंने बिना संकोच किए उसे दे दिया. एक्ट्रेस को लोनावाला में एक एनिमल एम्बुलेंस शुरू करनी थी. हालांकि ऐसा पहली बार नहीं था जब जग्गू दादा ने किसी की मदद की हो. एक्टर जब तीन बत्ती एरिया में रहा करते थे, तो अक्सर लोग उनसे मदद मांगने आया करते थे. एक्टर बनने से पहले जैकी श्रॉफ लोकल गुंडे हुआ करते थे.

### दिन अच्छे और खराब होते हैं- गुस्से वाले वीडियो पर अब

# काजोल देवगन

## ने तोड़ी चुप्पी

काजोल को हमेशा हंसते-खिलखिलाते हुए देखा जाता है. एक्ट्रेस जब भी रियलिटी शो या चैट शो का हिस्सा बनती हैं, तो उन्हें अक्सर मस्ती-मजाक करते हुए पाया जाता है. लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान काजोल को काफी गुस्से में भी देखा गया. एक्ट्रेस के गुस्से वाले वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहे थे. लोगों ने काजोल को उनके गुस्से के लिए काफी ट्रोल भी किया. अब कई दिन गुजर जाने के बाद काजोल का उस वायरल वीडियो पर रिएक्शन सामने आया है.हाल ही में काजोल ने जूम को इंटरव्यू दिया, इसी दौरान उन्होंने अपने गुस्से पर खुलकर बात की. काजोल से उनके पैपराजी के साथ वायरल हुए गुस्से वाले वीडियो को लेकर सवाल किया गया. ऐसे में काजोल ने कहा कि अक्सर लोग सोशल मीडिया पर वही पोस्ट करते हैं, जिसमें वो परफेक्ट दिखें. लेकिन रियल लाइफ इमेज कुछ और होती है. एक्ट्रेस की मानें तो वो सोशल मीडिया पर बिल्कुल रियल हैं.

**मुझे गुस्सा आता है- काजोल**

काजोल ने अपनी बातों में ये भी कहा कि एक सेलिब्रेटी को सोशल मीडिया पर कैसा दिखना चाहिए वो इसका प्रेशर नहीं लेती हैं और खुद को बार-बार एडिट नहीं करती हैं. गुस्से वाली बात को मानते हुए काजोल ने कहा, मुझे गुस्सा आता है. मेरे भी अच्छे और खराब दिन होते हैं. ये रियल मैं हूं. मुझे नहीं लगता कि दूसरों के ये सोचने पर कि ये तो एक सेलिब्रेटी है और इसे गुस्सा नहीं करना चाहिए, मैं खुद एडिट करने बैठूंगी.

**पैपराजी पर भड़कीं थी काजोल**

पूरे मामले की अगर बात करें, तो काजोल को दुर्गा पंडाल में पैपराजी पर गुस्सा करते हुए देखा गया था. एक्ट्रेस जूते पहनकर आने वाले पैपराजी पर भड़कती हुई नजर आ रही थीं. उन्होंने जूते पहनकर आने वाले लोगों को पंडाल से पीछे हटने को कहा था. उनके उस वायरल वीडियो पर लोगों ने उनके गुस्से को जया बच्चन के गुस्से के साथ कंपेयर कर दिया था.

# सार्विकग्वालियर साहित्य इतिहास के गौरव में मील के पत्थर के समान है-डॉ.सुरेश सम्राट

## मध्यभारतीय हिंन्दी साहित्य सभा के पाठक में हुई सार्वत्रिक की समीक्षा एवं चर्चा

**महेंद्र शर्मा**
**उप संपादक पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा में शनिवार को मासिक पाठक मंच में सभा के उपाध्यक्ष दिनेश पाठक जी की पुस्तक÷ सार्विक÷ पर समीक्षा उद्धबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार शैवाल सत्यार्थी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ ज्योति उपाध्याय उपस्थित रहीं। समीक्षा वरिष्ठ पत्रकार डॉ.सुरेश सम्राट एवं युवा रचनाकार सुश्री व्याप्ति उमड़ेकर ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सानिध्य सभा अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव का रहा।कार्यक्रम में समीक्षक डॉ.सुरेश सम्राट ने सार्विक पर अपने विचार रखते हुये कहा-÷सार्विक ग्वालियर साहित्य इतिहास के गौरव में मील के पत्थर के रूप में अपनी भूमिका को निभाने में सफल होगी। ये पुस्तक जीवन के सभी पक्षों को लेकर आई है इसमें लेखक ने साहित्यकार और मिशनपूर्वक पत्रकारिता करने वाले व्यक्ति की लेखनी को आकार दिया है। जो लेखक पूरे देशकाल को खुली आँखों से देखता है, वही सार्विक जैसी कृति को रच सकता है। यह पुस्तक व्यापक परिप्रेक्ष्य लेकर पाठक के साथ जुड़ने का काम करती है। भाषा तथा शैली की दृष्टि से पुस्तक युवा पीढ़ी के लिये उपयोगी है।÷ युवा समीक्षक के रूप में व्याप्ति उमड़ेकर ने हरिकथा अनन्ता, बपौती नहीं थी बन्दिशों पर उनकी,बैगनी शादी में अब्दुल्ला दीवाना,दूसरा ताजमहल इत्यादि आलेखों की विषयवस्तु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा-÷सार्विक के आलेख शुद्ध स्वादी मिठाई के रूप में हैं। पुस्तक के लेख समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये उपयोगी हैं।पुस्तक की बहुरंगी छवि में ग्वालियर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक,सामाजिक,धार्मिक विशेषता को व्यक्त किया गया है।युवा पीढ़ी के लिये ये पुस्तक मार्गदर्शन का कार्य करते हुये अपने नाम सार्विक के मर्म को व्यक्त करती है।÷ अध्यक्ष की आसंदी से शैवाल सत्यार्थी जी ने अपनी बात रखते हुये कहा कि-÷सार्विक मेरे 30 वर्षों के लेखन का संकलन हैं। पुस्तक में सामायिक तथा सर्वकालिक आलेखों को संकलित करने के पीछे उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये कुछ न कुछ पठनीय सामग्री अवश्य रहे।÷

कार्यक्रम का आभार सभा अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव ने एवं संचालन जाह्नवी नाईक ने किया।

कार्यक्रम में पूर्व पाठक मंच संयोजक डॉ.सुखदेव माखीजा ने साहित्य सभा को सिद्धपीठ की उपाधि से अलंकृत करते हुए पुस्तक की भूरि- भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में सभा के उपाध्यक्ष दिनेश पाठक,सभा के सह- मंत्री उपेंद्र कस्तूरे,पाठक मंच के पूर्व संयोजक डॉ.सुखदेव मखीजा ,डॉ.सुधीर चतुर्वेदी , सुनीता पाठक , शुभम कुमार जैसवाल,उदयवीर खटीक,प्रथम बघेल,राकेश पाठक सहित अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रचारक बन्धुओं का वर्ग आयोजन 31 अक्तूबर से 4 नवम्बर 2024

**महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रचारक बन्धुओं का वर्ग 31 अक्तूबर से 4 नवम्बर 2024 तक, शुभ दीपावली पर्व पर ग्वालियर, मध्यप्रदेश में आयोजित हो रहा है। इस वर्ग में देश भर से 31 विविध संगठन के कुल 554 प्रचारक सहभागी होनेवाले है। इस वर्ग कायह अखिल भारतीय वर्ग प्रति 4-5 वर्ष में एक बार आयोजित होता है। वर्ग में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी सहित संघ के सभी सह सरकार्यवाह तथा अन्य प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे। वर्ग में अपेक्षित सभी कार्यकर्ता समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीयता के भाव से समाज हित में सक्रिय रहते हैं। यह मजदूर, किसानों, विद्यार्थियों तथा सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं ग्रामीण, वनवासी, शहरी क्षेत्र में कार्य पर चर्चा करेंगे।इस वर्ग में व्यक्तिगत कुशलक्षेम, व्यक्तिगत विकास, स्वाध्याय के साथ समाज जीवन के लिये आवश्यक कार्यों की चर्चा एवं परस्पर अनुभव सांझा किये जाते हैं। सभी अपने-अपने कार्य व अनुभवों का आदान-प्रदान करते हुए विस्तार से चर्चा करते हैं। राष्ट्रीय एवं सामाजिक कार्यों से जुड़े मुद्दों दिव्यांगजनों, युवा एवं महिला सशक्तीकरण, स्वावलम्बन, सुरक्षा, जैविक कृषि, जल संधारण, पर्यावरण संरक्षण, घुमन्तू कार्य, व्यसन मुक्ति जैसे अन्यान्य विषयों पर निरंतर सक्रिय सभी कार्यकर्ता इस वर्ग में मंथन करेंग

# मंत्री नारायण सिंह ने दुकान-दुकान पर पहुँचकर दी दीपोत्सव की बधाई

ग्वालियर । सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को महाराज बा?ा क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में पहुँचकर दुकानदारों एवं दीपावली की खरीददारी करने आए नागरिकों को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। साथ ही सभी की कुशल क्षेम पूछी। उन्होंने गाँधी मार्केट, सुभाष मार्केट व नजरबाग मार्केट सहित महाराज बा?ा क्षेत्र के अन्य बाजारों में दुकान-दुकान पर पहुँचकर सभी को दीपोत्सव की बधाई व शुभकामनायें दीं।

# मेले में लगे आतिशबाजी बाजार का जिला प्रशासन की टीम ने किया निरीक्षण

ग्वालियर । दीपावली त्यौहार के लिये इस बार ग्वालियर व्यापार मेला परिसर के झूला सेक्टर में पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ आतिशबाजी की अस्थायी दुकानें लगाई गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर रविवार की शाम एसडीएम अशोक चौहान के नेतृत्व में गई जिला प्रशासन की टीम ने आतिशबाजी बाजार का निरीक्षण किया।इस अवसर पर सभी दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी दुकान पर पानी व रेत की बाल्टी सहित अन्य अग्निशमन यंत्र अनिवार्यत- रखें। साथ ही दुकान उतने ही क्षेत्र में लगाएँ, जितना क्षेत्र उन्हें आवंटित किया गया है। दुकानों के बीच में कम से कम 10 फीट की दूरी अवश्य रहे। सभी आतिशबाजी दुकानदारों को साफ तौर पर ताकीद किया गया है कि यदि उन्होंने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए तो उन्हें आतिशबाजी बेचने की अनुमति नहीं रहेगी। साथ ही सख्त कार्रवाई भी की जायेगी।

# आयुर्वेद एवं उसकी उपयोगिता के प्रति जन जागरण के लिए निकली बाइक रैली

ग्वालियर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नौवे आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में देश भर के आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार की थीम पर आयोजित किए जा रहे हैं। इस क?ी में रविवार को ग्वालियर स्थित आयुष मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयुर्वेद के प्रति जनजागरण के लिये बाइक रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से आमजन को आयुर्वेद एवं उसकी उपयोगिता एवं आयुर्वेद द्वारा स्वास्थ्य व आरोग्य प्राप्त करने का संदेश शहरवासियों तक पहुँचाया गया। बाइक राइडर्स रैली का आयोजन राइडर्स ग्रुप के सहयोग से मांढरे की माता आमखो स्थित क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान से महाराज वाड़ा, नई सड़क, फल्का बाजार, फूलबाग, जयेंद्रगंज, अचलेश्वर, थीम रोड होते हुए संस्थान तक का आयोजन किया गया। रैली को संस्थान प्रभारी डॉ. बी.एस.सिसोदिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस राइडर्स रैली के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं सुविधा उपलब्ध कराई गई। यह रैली शहर के विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए आमखो स्थित संस्थान पर संपन्न हुई। रैली के समापन अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ अनिल मंगल द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। रैली में डॉ जीवन के, डॉ अमित कुमार, रमायान मीणा, हरिओम व रोहित सहित संस्थान के अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

# चीफ इंजीनियर की लोकायुक्त जांच हेतु मंत्रालय ने प्रमुख अभियंता से मांगी रिपोर्ट-संजय दीक्षित

ग्वालियर मध्य प्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग की के उप सचिव नियाज अहमद खान द्वारा लोक निर्माण विभाग मध्य प्रदेश भोपाल के के प्रमुख अभियंता से ग्वालियर उत्तर प्रदेश क्षेत्र के मुख्य अभियंता सूर्यवंशी के विरुद्ध लोकायुक्त से जांच करने मध्य प्रदेश आरटीआई फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय दीक्षित एडवोकेट द्वारा राज्यपाल को भेजे गए ज्ञापन में वर्णित शिकायती बिंदुओं की जांच करके उनके अभिमत सहित रिपोर्ट तलब की है। मामला प्रधानमंत्री के सब का साथ और सब

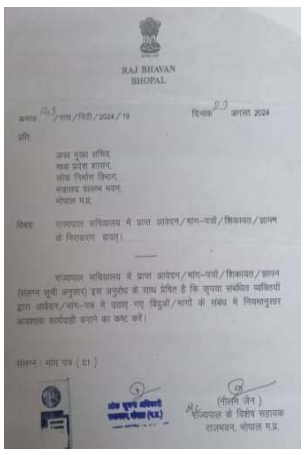
RAJ BHAVAN
BHOPAL

का विकास की नीति को 19 महीना से फाइलों में दबाने से जुड़ा है। मामला आरटीआई फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय दीक्षित एडवोकेट द्वारा मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग ग्वालियर के कारनामों की जांच करने राज्यपाल सचिवालय भेजे ज्ञापन से जुड़ा है.जिसमें दीक्षित ने प्रधानमंत्री जी के सबका साथ सबका विकास और सब का विश्वास के सिद्धांत को साकार करने मध्य प्रदेश शासन को भेजे गए ज्ञापन की जांच करने लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन अपर सचिव दिलीप कुमार द्वारा 19 महीने पूर्व जारी किए गए पत्र क्रमांक 167 दिनांक 14 फरवरी 2023 में जारी आदेश में ग्वालियर और चंबल संभाग में वित्तीय वर्ष 2018 से किए गए निर्माण कार्यों में मध्य प्रदेश खनिज संसाधन विभाग और श्रम विभाग को करोड़ों रुपए की राजस्व की हानि पहुंच कर कार्यपालन यांत्रियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के मामलों के संबंध में विस्तृत परीक्षण रिपोर्ट मांगी गई थी जो आज तक लोक निर्माण विभाग उत्तर पर क्षेत्र ग्वालियर के कार्यालय की फाइलों में कैद करके रखी गई है।

# गोबर गैस प्लांट की ट्रायल हुई शुरू, 15 दिनों बाद मिलने लगेगी सीएनजी

ग्वालियर। नगर निगम की आदर्श गौशाला में बनाए गए बायो कंप्रेस्ड सीएनजी प्लांट का ट्रायल प्रारंभ हो चुका है। 15 दिनों बाद सीएनजी उत्पादन होना प्रारंभ होने की उम्मीद की जा रही है। गौशाला में सीएनजी बनने से एक ओर जहां गौशाला स्वावलंबी होगी वहीं दूसरी ओर इससे प्राकृतिक खेती को भी बढावा मिलेगा। क्योंकि बायो सीएनजी प्लांट से निकलने वाली गोबर खाद का उपयोग किसान अपने खेतों में खेती के लिए कर सकेंगे।

निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने बताया कि 2 अक्टूबर को नगर निगम की आदर्श गौशाला में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सहयोग से बनाए गए बायो कंप्रेस्ड सीएनजी प्लांट का प्रधानमंत्री ने वर्चुअली रूप से शुभारंभ किया था। इसके बाद नगर निगम और इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा इस सीएनजी प्लांट का ट्रायल प्रारंभ किया गया है। 15 दिनों तक लगातार इस प्लांट का ट्रायल चलाया जाएगा। इस दौरान इसके अंदर बायो सीएनजी गैस बनना प्रारंभ हो जाएगी।

यह होगा लाभ

-प्रदेश की सर्वप्रथम गौशाला जहां बायो सीएनजी प्लांट के लगाए जाने से हर दिन 2000 किलो सीएनजी गैस का होगा उत्पादन

- 5 एकड क्षेत्रफल में लगाया गया है प्लांट

- 100 टन गीला कचरा जिसमें गोबर और सब्जी इत्यादि शामिल है, प्रतिदिन इनका होगा निस्तारण

- 25 टन प्रतिदिन मिलेगा जैविक खाद

- प्लांट से हर वर्ष होगी 6 करोड की आय

- बायो सीएनजी गैस से वाहन चलने पर पर्यावरण बनेगा स्वच्छ

- लगभग 10000 गायों की होगी उचित देखरेख

- गोबर का होगा उचित प्रसंस्करण एवं निस्तारण

- नालियों में गोबर जमा होने से मिलेगी मुक्ति

- सब्जी मण्डी एवं आमजनों के घरों से निकलने वाले गीले कचरे का होगा निस्तारण

-जैविक खेती को मिलेगा प्रोत्साहन

- किसानों को सस्ती दरों पर मिलेगा खाद

- गौशाला स्वावलंबन में होगा सहयोग

शहर में सीवर एवं नालियों के जाम होने से मिलेगी निजात

नगर निगम द्वारा शहर में डेयरी संचालकों की डेयरियों से गोबर एकत्रित कर उसका उपयोग सीएनजी गैस बनाने में किया जाएगा। इसके कारण डेयरी संचालकों द्वारा नालियों में गोबर को बनाने का सिलसिला खत्म होगा इससे नालियां और सीवर लाइनों के जाम होने से मुक्ति मिल जाएगी। इसका सीधा असर आमजनों के स्वास्थ्य, स्वच्छता पर देखने को मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478